दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-123 | सीहोर, मंगलवार 30 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

राम मंदिर चढ़ावा मामले में तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा-इतनी जल्दी सुनवाई की क्या आवश्यकता

अयोध्या/नई दिल्ली (आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा मामले में दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि मामले में इतनी जल्द सुनवाई की आवश्यकता क्या है। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिका पर छुट्टियों के बाद नियमित पीठ के समक्ष सुनवाई की जाएगी।

याचिका में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में चढ़ावे के धन के कथित दुरुपयोग की जांच कराने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के साथ-साथ कोर्ट की निगरानी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (SIT) गठित कर जांच कराने की मांग की है। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि जांच के लिए समय-सीमा तय की जाए, ताकि मामले का जल्द निष्पादन हो सके।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की अपील की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई असाधारण परिस्थिति नहीं है, जिसके कारण तत्काल सुनवाई आवश्यक हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले को न्यायालय की छुट्टियों के बाद नियमित बेंच के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। गौरतलब है कि याचिका में लगाए गए आरोपों पर अभी न्यायिक निर्णय नहीं हुआ है और मामले की जांच एवं कानूनी प्रक्रिया जारी है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और चंदे में गड़बड़ी प्रकरण में पुलिस सख्त, दर्ज किया तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के इस्तीफा दे चुके चंपतराय का बयान

अयोध्या (आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और चंदे में हेराफेरी के मामले में राज्य सरकार की एसआईटी के साथ अयोध्या पुलिस ने पड़ताल तेज कर दी है। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद एक अज्ञात सहित नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने आठ लोगों को जेल भेजा है। सोमवार को पुलिस ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपतराय से पूछताछ की। माना जा रहा है कि अब अयोध्या पुलिस अनिल मिश्रा और गोपाल राव का बयान भी जल्द दर्ज करेगी।राम मंदिर के चंदे में कथित गड़बड़ी की एसआईटी के साथ जांच कर रही अयोध्या पुलिस ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपतराय का बयान दर्ज किया। पुलिस ने बंद कमरे में उनसे घंटों पूछताछ की। उनसे चढ़ावे की गिनती, सुरक्षा व्यवस्था, दान की प्रक्रिया और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं पर सवाल किए गए।

महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से कक्षा 10 तक मराठी भाषा अनिवार्य

मुंबई(आरएनएस)। महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में मराठी भाषा अनिवार्य कर दी गई है। यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि राज्य भर के सभी माध्यमों के स्कूलों में कक्षा 1 से 10 तक मराठी भाषा का शिक्षण और इस विषय की परीक्षा आयोजित करना कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया गया है। मंत्री ने कहा कि नियमों का पालन न करने वाले संस्थानों की मान्यता रद्द की जा सकती है। महाराष्ट्र विधानसभा में भूसे ने कहा कि महाराष्ट्र स्कूलों में मराठी भाषा के अनिवार्य शिक्षण और अधिगम अधिनियम, 2020 के तहत यह आदेश लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूलों को योग्य मराठी शिक्षकों की नियुक्ति भी करनी होगी और स्कूलों में नियमित निरीक्षण भी किया जाएगा। भूसे ने कहा कि पहली बार आदेश के उल्लंघन पर चेतावनी, दूसरी बार पर उल्लंघन पर 1 लाख रुपये जुर्माना और तीसरे उल्लंघन पर मान्यता रद्द की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजगढ़ जिले के 352 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज भैंसवामाता में करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 जून को जिले के विकासखंड सारंगपुर अंतर्गत भैंसवामाता जी मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर राजगढ़ जिले के 352 करोड रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल, सांसद रोडमल नागर भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 1:45 बजे भैंसवामाता पहुंचकर दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद दूध तलैया में गंगा पूजन, गौ-पूजन एवं पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 की प्रदर्शनी का अवलोकन कर जिले में संचालित जल संरक्षण एवं पर्यावरणीय नवाचारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) टेटवाल, सांसद श्री नागर एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल भी उपस्थित रहेंगे तथा अपने विचार व्यक्त करेंगे। राजगढ़ जिले की पर्यटन फिल्म, कॉफी टेबल बुक एवं सोशल मीडिया हैंडल का अनावरण किया जाएगा। साथ ही जिले में कराए गए विकास कार्यों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, जल संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं के अंतर्गत हितलाभ भी वितरित किए जाएंगेजल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के साथ उनके संरक्षण के उद्देश्य से शुरू किए गए 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026' का गरिमामय समापन होने जा रहा है।

अभियान की इस अल्पावधि में ग्रामीण, नगरीय, वन, सिंचाई, शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्रों सहित विभिन्न स्तरों पर लगभग 3.62 लाख से अधिक जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य सफलतापूर्वक क्रियान्वित किये गये हैं। इस महा-अभियान ने पूरे प्रदेश में भू-जल संवर्धन, जल गुणवत्ता परीक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, नदी पुनर्जीवन और जन-जागरूकता की एक नई चेतना जागृत की है।

असम में भारी बारिश से तबाही, पुल तक टूट गया, कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात, अमित शाह ने सीएम हिमंता को मदद का भरोसा दिया

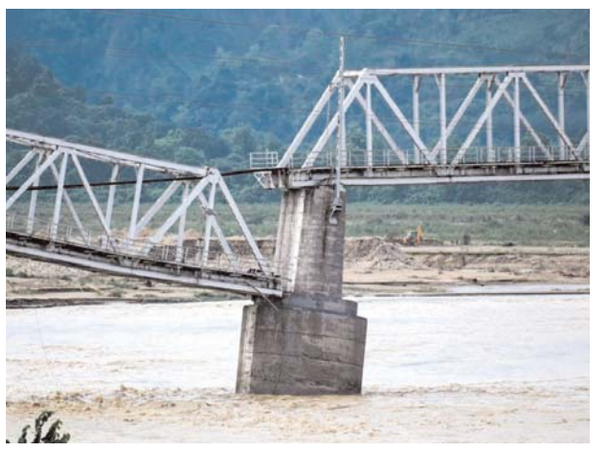

असम (आरएनएस)। असम में भारी बारिश के कारण धेमाजी जिले में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नदियां उफान पर हैं और भारी कटाव से एक रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। इस वजह से कई इलाकों में रेल कनेक्टिविटी खत्म हो चुकी है। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया और हरसंभव मदद करने की बात कही। हिमंता ने बाढ़ की कई तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिनमें कटाव से क्षतिग्रस्त रेलवे पुल भी नजर आ रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को बताया कि राज्य सरकार धेमाजी जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत और दीर्घकालिक पुनर्वास उपलब्ध कराने के लिए सभी संसाधन जुटा रही है। इस बीच, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने बताया कि भारी कटाव से एक रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके कारण आर्चीपाथर और सिमेन चापरी स्टेशनों के बीच रेल परिचालन अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है।

केंद्र सरकार 1 जुलाई से पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लगे प्रतिबंध हटाएगी

नईदिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार को एक आदेश जारी कर यह बात कही। सरकार ने बताया कि आदेश 1 जुलाई से लागू होगा। बता दें कि सरकार ने स्थानीय कमी को रोकने के लिए वाणिज्यिक ईंधन खरीदारों को खुदरा स्टेशनों से पेट्रोल और डीजल खरीदने से रोक दिया था। साथ ही, डीजल की दैनिक खरीद पर सीमा निर्धारित कर दी थी।

केंद्र सरकार ने इसी महीने प्रतिबंधों को लागू किया था, ताकि पेट्रोल और डीजल की समान उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, हेराफेरी-जमाखोरी को रोका जा सके और उचित कीमतों पर निर्बाध ईंधन आपूर्ति बनाई रखी जाए। प्रतिबंध हटने के बाद परिवहन संचालकों और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं जैसे वाणिज्यिक उपभोक्ता अब बिना मात्रा प्रतिबंध के खुदरा दुकानों से ईंधन खरीद सकेंगे। प्रतिबंध न लगने से ट्रक कंपनियों सहित वाणिज्यिक उपभोक्ता सरकारी तेल कंपनियों की खुदरा दुकानों से खरीदार कर रहे थे। अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी को युद्ध शुरू हुआ था, जिसके बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों के गुजरने पर प्रतिबंध लगा दिया था। होर्मुज से विश्व में होने वाली गैस और ईंधन की आपूर्ति का 5वां हिस्सा गुजरता है, जो प्रतिबंध के कारण प्रभावित हुआ और पूरे विश्व में संकट पैदा हो गया। पिछले दिनों दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापन हुआ है, जिसके बाद होर्मुज से नियंत्रण हटने लगा है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की.

अल्मोड़ा में भीषण सड़क हादसा, गहरी खाई में समाई कार, चार लोगों की मौत, दो घायल

अल्मोड़ा (आरएनएस)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले से बड़ी खबर सामने आई है. जिले के लमगड़ा क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हुआ है. कार के खाई में गिरने की सूचना है. इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य लोग घायल बताए जा रहे है. इस भीषण सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं.सोमवार दोपहर लमगड़ा ब्लॉक के चायखान-बेगानिया मोटर मार्ग पर एक मारुति ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

केरल में कर्नाटक के दबंगों पर कोर्ट की सख्तीः पीड़ित परिवार के घर में घुसने पर लगाई रोक, कोर्ट ने कहा- सुरक्षा सर्वोपरि

वायनाड, (आरएनएस)। सुल्तान बाथेरी के मुंसिफ कोर्ट ने कथित रूप से जबरन घर में घुसने, गाली-गलौज करने और एक स्थानीय परिवार को डराने-धमकाने के मामले में सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने पीड़ित परिवार को बड़ी राहत देते हुए कर्नाटक के रहने वाले एक रसूखदार आरोपी और उसके गुर्गों के पीड़ित के घर में प्रवेश करने पर पूरी तरह से अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश मणिचेरा (पूमाला) की रहने वाली शाइमोल जोस की याचिका पर कोर्ट ने जारी किया है। शाइमोल ने अपने परिवार और अपनी गोद में मौजूद महज 6 महीने के मासूम शिशु की जान माल की सुरक्षा के लिए अदालत से गुहार लगाई थी। अदालत में दायर याचिका के मुताबिक, यह पूरा मामला शाइमोल जोस के दामाद डॉ. भार्गव मल्लप्पा से जुड़े किसी वित्तीय और व्यावसायिक लेन-देन के बाद शुरू हुआ। दामाद के बिजनेस विवाद का बदला लेने के लिए आरोपियों ने केरल में रह रहे उनके सास-ससुर के घर को निशाना बना डाला।

अजब दीवानगी! ग्वालियर से उड़कर चेन्नई पहुंच रहे रेसर कबूतर, जीपीएस तकनीक से तय होता है विजेता

ग्वालियर (आरएनएस)। कबूतर रेसिंग का ग्वालियर नया ठिकाना बन रहा है। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई की कई पिजन सोसायटी हर साल मई से जून माह के बीच कबूतर रेसिंग प्रतियोगिता का आयोजन करती हैं। नियम के तहत तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों से कबूतरों को ग्वालियर लाकर छोड़ा जाता है और जो कबूतर सबसे पहले अपने मालिक के पास 1500 किमी दूर चेन्नई पहुंचता है, उसे विजेता घोषित कर दिया जाता है।

गत छह मई को भी चेन्नई की रॉयल पिजन सोसायटी द्वारा ग्वालियर लाकर कबूतरों को छोड़ा गया था और विजेता एम. वेंकटेशन का कबूतर ग्वालियर से उड़ान भरने के बाद मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक होते हुए तमिलनाडु के वेल्लोर जिले स्थित पल्लिकोंडा गांव में अपने घर सबसे पहले पहुंचा। उसने करीब 99 घंटे (आठ दिन) में 1460 किमी की हवाई दूरी तय की। इस कबूतर ने नेशनल लेवल की लांग-डिस्टेंस रेस अपने नाम कर ली। अब आगामी कुछ महीनों के दौरान एक बार फिर ग्वालियर से कबूतर रेसिंग की प्रतियोगिता शुरू होंगी। दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु और कर्नाटक) की कबूतर सोसायटियों के लिए ग्वालियर और नई दिल्ली को आदर्श रिलीज प्वाइंट (कबूतरों को छोड़ने की जगह) माना जाता है। यहां से दक्षिण भारत की दूरी 1500 से 1800 किलोमीटर से अधिक बैठती है, जो इन पक्षियों की सहनशक्ति, दिशा ज्ञान और गति की वास्तविक परीक्षा लेती है।

शुभेंदु सरकार का गुंडा नियंत्रण बिल विधानसभा में पारित

बंगाल के बागी सांसदों ने भी किया नए विधेयक का समर्थन

कोलकाता/नई दिल्ली,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में पब्लिक सेफ्टी एंड कंट्रोल ऑफ एंटी-सोशल एक्टिविटीज बिल, 2026 (गुंडा दमन विधेयक) ध्वनि मत से पारित हो गया। मतदान के दौरान 176 विधायकों ने विधेयक के पक्ष में, 41 ने विरोध में मतदान किया, जबकि 20 सदस्य मतदान से दूर रहे। वहीं बंगाल के बागी सांसदों ने भी इस विधेयक का समर्थन कर दिया है। इस बिल की मदद से राज्य में गुंडा तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकेगी।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि, बंगाल के बागी सांसदों ने भी नए विधेयक का समर्थन किया है। बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने एंटी सोशल एक्टिविटीज बिल को लेकर कहा कि 'मैं इस विधेयक का समर्थन करती हूं। यह विधेयक असामाजिक तत्वों के खिलाफ लाया जा रहा है।' यही नहीं बड़बोले एयूजेपी विधायक हुमायूं कबीर ने नए विधेयक पर कहा कि मैं इस विधेयक का समर्थन करता हूं और यह राज्य के लोगों की भलाई के लिए लाया जा रहा है।राज्य विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि कानून तोड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई होगी। उक्त विधेयक के तहत सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। ऐसे मामलों में गिरफ्तारी के साथ-साथ दोषियों की संपत्ति जब्त करने की भी व्यवस्था रखी गई है।

सरकार का कहना है कि कानून का उद्देश्य संगठित असामाजिक गतिविधियों और हिंसा पर प्रभावी नियंत्रण करना है। विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि कानून तोड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई होगी।

यूपी के कासगंज में ट्रेनी एयरक्राफ्ट हुआ क्रैश, निर्माणाधीन हाईवे पर जा गिरा, महिला पायलट घायल

कासगंज,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में सोमवार को एक ट्रेनी एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। ट्रेनी एयरक्राफ्ट अचानक निर्माणाधीन हाईवे पर जा गिरा। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ये हादसा कासगंज के क्यामपुर बहेडिया भड़रिया क्षेत्र में हुआ है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।जानकारी के अनुसार, एयरक्राफ्ट में 27 वर्षीय महिला ट्रेनी पायलट सवार थीं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल पायलट को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल को घेर लिया है। क्रैश हुए एयरक्राफ्ट को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हुई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की टीम भी तैनात की गई है।

रेलवे स्टेशन पर ही रोके गए वेटिंग शिक्षक, पुलिस ने लिया हिरासत में,पद वृद्धि और नियुक्ति की मांग

भोपाल (ए.)। उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती-2023 की वेटिंग सूची में शामिल अभ्यर्थियों का आक्रोश सोमवार को राजधानी भोपाल में एक बार फिर देखने को मिला। नियुक्ति, पद वृद्धि और दूसरी काउंसलिंग की मांग को लेकर प्रदेशभर से वेटिंग शिक्षक भोपाल पहुंचे, लेकिन रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ही पुलिस ने उन्हें रोक लिया। सुबह करीब 11 बजे पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर वाहन से लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) कार्यालय पहुंचाया।

स्टेशन से ही पुलिस ने हटाया

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग सरकार तक पहुंचाने आए थे, लेकिन राजधानी पहुंचते ही उन्हें स्टेशन पर रोक दिया गया और डीपीआई छोड़ दिया गया। आंदोलन में महिला अभ्यर्थी भी शामिल हुईं। इस दौरान शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर जल्द नियुक्ति की मांग उठाई।

दो-दो परीक्षाएं पास, फिर भी नहीं मिली नौकरी

वेटिंग शिक्षकों का कहना है कि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती के लिए पहले पात्रता परीक्षा और उसके बाद चयन परीक्षा आयोजित की गई। दोनों परीक्षाएं उत्तीर्ण करने और अच्छे अंक प्राप्त करने के बावजूद हजारों अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं मिली। उनका आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी योग्य अभ्यर्थी वेटिंग सूची में ही रह गए।

8,420 पद घोषित, नियुक्ति सिर्फ 2,901 पर

अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में 8,420 पद घोषित किए गए थे, लेकिन वास्तविक नियुक्ति केवल 2,901 पदों पर ही की गई। इससे हजारों अभ्यर्थी नियुक्ति से वंचित रह गए। उनका कहना है कि यदि पद बढ़ाए जाएं और दूसरी काउंसलिंग कराई जाए तो बड़ी संख्या में वेटिंग अभ्यर्थियों को नौकरी मिल सकती है।

दो साल से कर रहे आंदोलन

वेटिंग शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मनोज दंडोतिया ने बताया कि अगस्त 2023 में परीक्षा होने के बाद से ही पद वृद्धि, वेटिंग सूची से नियुक्ति और दूसरी काउंसलिंग की मांग लगातार उठाई जा रही है। इसके लिए कई बार भोपाल में धरना-प्रदर्शन, ज्ञापन और आंदोलन किए गए, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

राजनीतिक समर्थन भी मिला

वेटिंग शिक्षकों के आंदोलन को कांकरोच जनता पार्टी का भी समर्थन मिला। पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने वीडियो जारी कर अभ्यर्थियों की मांगों का समर्थन किया और सरकार से जल्द निर्णय लेने की अपील की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

बरसात में गड्ढों पर सख्ती, धीमे काम पर फटकार, संभागायुक्त बोले-सड़कें खराब मिलीं तो जिम्मेदारी तय होगी

भोपाल (ए.)। बरसात के मौसम में राजधानी की सड़कों की बदहाल स्थिति और निर्माण कार्यों की सुस्त रफ्तार पर संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को सड़क निर्माण और रखरखाव से जुड़ी सभी एजेंसियों की बैठक लेकर उन्होंने साफ निर्देश दिए कि बारिश के दौरान कहीं भी जलभराव और खराब सड़कों की शिकायत नहीं आनी चाहिए। जहां शिकायत मिले, वहां तत्काल कार्रवाई हो और आम लोगों को परेशानी न होने पाए।

धीमे ओवरब्रिज निर्माण पर जताई नाराजगी

संभागायुक्त ने संत हिरदाराम नगर में बन रहे ओवरब्रिज के निर्माण की धीमी गति पर नाराजगी जताई। उन्होंने निर्माण एजेंसी को तय समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी परियोजना में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

गड्ढों की शिकायत पर तुरंत हो कार्रवाई

बैठक में नगर निगम और अन्य एजेंसियों को निर्देश दिए गए कि बारिश के दौरान सड़कों की लगातार निगरानी की जाए। जहां भी गड्ढों या सड़क खराब होने की शिकायत मिले, वहां कम से कम समय में मरम्मत कराई जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण का समय बेहद कम होना चाहिए।

खाद के बढ़े हुए दामों से किसान परेशान, सरकार किसानों के हित में ठोस कदम उठाए .. किसान गर्जना संगठन

भोपाल(आरएनएस)। आज सर्किट हाउस में किसान गर्जना संगठन द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने खाद के बढ़े हुए दामों को लेकर किसानों की गंभीर समस्याओं को मीडिया के समक्ष रखा।

उन्होंने कहा कि खाद की लगातार बढ़ती कीमतों से प्रदेश का किसान गहरे असंतोष में है। सरकारें समय-समय पर किसानों के हित में अनेक योजनाओं और घोषणाओं की बात करती हैं, लेकिन धरातल पर अधिकांश किसानों को इन योजनाओं का वास्तविक लाभ नहीं मिल पा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज किसान बढ़ती लागत, महंगी खाद, बीज, कीटनाशक एवं अन्य कृषि सामग्री के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहा है। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। परिणामस्वरूप किसान कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है।

उन्होंने सरकार से खाद के बढ़े हुए दामों पर तत्काल पुनर्विचार करने तथा किसानों को राहत प्रदान करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो किसान गर्जना संगठन चरणबद्ध आंदोलन करेगा।इसी क्रम में किसान गर्जना संगठन द्वारा बालाघाट जिले की सभी तहसीलों में पत्रकार वार्ताएं आयोजित की जाएंगी। इसके पश्चात जिले के सभी तहसील मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री के नाम तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा।इसके अतिरिक्त जिले के सभी खाद वितरण केंद्रों एवं सहकारी समितियों (सोसायटी) पर, जिन-जिन गांवों के किसानों को वहां से खाद उपलब्ध कराया जाता है, उन सभी गांवों के किसान किसान गर्जना संगठन के बैनर तले एकत्रित होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे तथा संबंधित सोसायटी प्रबंधन को ज्ञापन सौंपेंगे।संगठन ने सभी किसानों से एकजुट होकर इस जनआंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया, ताकि किसानों की समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके और सरकार किसानों के हित में ठोस निर्णय ले।

इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोपाल में तेज रफ्तार बोलेरो ने परिवार को कुचला, महिला की मौत

तबस्सुम, मृतका

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी में तेज रफ्तार का एक और हादसा सामने आया है। नवीबाग इलाके में रविवार रात एक तेज रफ्तार बोलेरो ने स्कूटर सवार परिवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनके पति और सात वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद चालक बोलेरो समेत मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।हादसा रविवार रात करीब 10 बजे नवीबाग क्षेत्र में हुआ। बुधवारा निवासी 28 वर्षीय तबस्सुम अपने भाई मोहम्मद फहीम के घर मेहमानी में आई थीं। रात को वह पति अफाक और सात वर्षीय बेटी तैयबा के साथ स्कूटर से घर लौट रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार बोलेरो ने उनके वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि परिवार सड़क पर जा गिरा। इसके बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायलों को तत्काल हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल तबस्सुम ने सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं पति अफाक और बेटी तैयबा का अस्पताल में उपचार जारी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि अफाक पेशे से इलेक्ट्रीशियन हैं। उनकी शादी को करीब 15 वर्ष हो चुके थे, लेकिन लंबे इंतजार और मन्नतों के बाद करीब आठ साल पहले बेटी तैयबा का जन्म हुआ था।

एमपी को रेलवे की नई सौगात, कानपुर सेंट्रल और मदुरै के बीच चलेगी विशेष ट्रेन, इन स्टेशनों को मिलेगा फायदा

बुधवार को कानपुर से और शनिवार को मदुरै से चलेगी विशेष ट्रेन

भोपाल (आरएनएस)। यात्रियों की सुविधा और बढ़ती यात्रा मांग को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कानपुर सेंट्रल और मदुरै के बीच विशेष रेलगाड़ी संख्या 01925/01926 चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन के शुरू होने से उत्तर भारत के प्रमुख शहर कानपुर और दक्षिण भारत की प्रसिद्ध मंदिर नगरी मदुरै के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही पश्चिम मध्य रेल के बीना, भोपाल और इटारसी स्टेशन के यात्रियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

कानपुर सेंट्रल से मदुरै का टाइम टेबल

गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरै स्पेशल प्रत्येक बुधवार को एक जुलाई से 29 जुलाई तक कुल पांच फेरों के लिए संचालित होगी। यह ट्रेन सुबह 8:10 बजे कानपुर सेंट्रल से रवाना होकर दोपहर 3:40 बजे बीना, शाम 5:20 बजे भोपाल और रात 7:25 बजे इटारसी पहुंचेगी तथा आगे मदुरै जाएगी।

वापसी में मदुरै से कानपुर सेंट्रल का टाइम टेबल

वापसी में गाड़ी संख्या 01926 मदुरै-कानपुर सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक शनिवार को चार जुलाई से एक अगस्त तक कुल पांच फेरे लगाएगी। जिसमें यह गाड़ी इटारसी सुबह 3:05 बजे, भोपाल 5:05 बजे, बीना 8:25 बजे एवं ललितपुर 9:13 बजे ठहराव लेते हुए कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। ट्रेन में कुल 22 कोच रहेंगे, जिनमें चार सामान्य श्रेणी, आठ स्लीपर, सात थर्ड एसी, एक सेकंड एसी और दो एसएलआर कोच शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले समय-सारणी और आरक्षण स्थिति की जानकारी जांचने की अपील की है।

500 करोड़ जमीन विवाद पर डैमेज कंट्रोल- दिग्विजय बोले- जीतू हमारे नेता, जानकारी नहीं थी इसलिए तथ्य स्पष्ट किए

भोपाल (ए.)। उज्जैन के वीर भारत न्यास को जमीन आवंटन का मामला अब कांग्रेस के भीतर सियासी चर्चा का विषय बन गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार पर आरोप लगाया था कि करीब 500 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन एक निजी ट्रस्ट को महज एक रुपये के प्रतीकात्मक शुल्क पर आवंटित कर दी गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि ट्रस्ट से मुख्यमंत्री के सलाहकार जुड़े हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। पटवारी के आरोपों के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उज्जैन में प्रेसवार्ता कर अलग रुख अपनाया था। उन्होंने दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि जिस वीर भारत न्यास की बात हो रही है, वह निजी नहीं बल्कि शासकीय ट्रस्ट है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का गठन सरकार द्वारा किया गया है और इसकी संरचना भी सरकारी है, इसलिए इसे निजी ट्रस्ट बताकर आरोप लगाना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

जीतू पटवारी हमारे पुत्र के समान

दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के दो बड़े नेताओं के बयान ही एक-दूसरे के विरोधाभासी हैं। वहीं कांग्रेस के भीतर भी इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गईं और मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया। विवाद बढ़ने के बाद सोमवार को दिग्विजय सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि जीतू पटवारी जी मध्यप्रदेश में हमारे नेता हैं, मेरे पुत्र के समान हैं। उज्जैन के एक निजी ट्रस्ट के संबंध में उन्होंने एक बयान दिया था। परीक्षण के बाद मैंने बताया कि यह निजी नहीं, बल्कि सरकारी ट्रस्ट है।

मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस की अहम बैठक, नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस की महत्वपूर्ण प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान संगठन के विस्तार, नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा और "किसान न्याय योद्धा" अभियान शुरू करने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, सुखदेव पांसे, विभाग एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह चौहान, सेवादल के मुख्य संगठक अवनीश भार्गव, पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल, सुनील सराफ, किसान कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी अनूप धोटे सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मप्र में जनजातीय छात्रावासों के विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति बढ़ी, आदेश जारी

1 जुलाई 2026 से नई दरें होंगी लागू

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने वर्ष 2026-27 में छात्रावास एवं आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति की दरों में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा के लिए सततनिर्णय ले रही है। इसी क्रम में राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि अनुसूचित जनजाति के छात्रावास/आश्रमों में रहने वाले छात्र/छात्राओं की शिष्यवृत्ति की दरों को प्रत्येक वर्ष माह मार्च के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर निर्धारित कर माह जुलाई में छात्रावास / आश्रम प्रारंभ होने से प्रभावशील होगी। जारी आदेश के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वर्ष 2026-27 के लिए शिष्यवृत्ति की नई दरें निर्धारित की गई हैं। अब छात्रावास एवं आश्रमों में रहने वाले बालक विद्यार्थियों को 1,720 रुपये प्रतिमाह तथा बालिका विद्यार्थियों को 1,770 रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सोमवार को भोपाल में 440 मेगावॉट क्षमता के मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज प्रोजेक्ट के पॉवर परचेज एग्रीमेंट कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से नीदरलैंड के कॉन्सुल जनरल ने की शिष्टाचार भेंट

मध्यप्रदेश पुलिस के नवाचारों, सेफ क्लिक 2.0 एवं नशे से दूरी है जरूरी अभियान पर हुई सार्थक चर्चा

भोपाल, (निप्र.)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से नीदरलैंड के मुंबई स्थित कॉन्सुल जनरल नबील ताउआती ने आज पुलिस मुख्यालय, भोपाल में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कॉन्सुल जनरल के साथ मुंबई के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार कौस्तुभ परिहार एवं कृषि सलाहकार प्रसाद पारते भी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी नवाचार एवं नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से संचालित राज्यव्यापी 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस अभियान के माध्यम से नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं विभिन्न संस्थानों तक व्यापक स्तर पर साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता पहुंचाई जा रही है।

ट्रैफिक दबाव कम करने पीडब्ल्यूडी का बड़ा रोड मास्टर प्लान, पांच साल में बनेंगी 30 हजार किमी सड़कें

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश में लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव, औद्योगिक विकास और शहरों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अगले पांच वर्षों के लिए एक व्यापक रोड मास्टर प्लान तैयार किया है। इस योजना के तहत वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक प्रदेश में लगभग 29,682 किलोमीटर नई और उन्नत सड़कें विकसित की जाएंगी। इन परियोजनाओं पर करीब 88 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाने का अनुमान है। योजना में प्रदेश के प्रमुख शहरों, औद्योगिक क्षेत्रों, कृषि उत्पादक इलाकों और पर्यटन स्थलों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। विभाग का उद्देश्य आने वाले वर्षों की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा रोड नेटवर्क तैयार करना है, जिससे यात्रा सुगम और तेज हो सके।

बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक

भोपाल (ए.)। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विभाग ने महाविद्यालयों से अधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को योजना से जोड़ने और उनके आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा है।

गोली मारकर दंपती की हत्या का मामला : कॉल डिटेल और फुटेज से नहीं मिला सुराग, सुपारी देकर हत्या कराने का शक

भोपाल (ए.)। ऐशबाग इलाके में गोली मारकर दंपती की हत्या करने के मामले में पुलिस को अभी तक अहम सुराग नहीं लगा है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज से मदद नहीं मिली है। दोनों के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल में भी कोई संदिग्ध फोन नंबर नहीं मिला है। अब पुलिस का फोकस दंपती के घर आने वाले परिचितों व किराएदारों पर ही है। पुलिस ने ऐसे बीस लोगों की सूची भी तैयार की है उनके पूछताछ कर गुत्थी सुलझाने की कोशिश की जाएगी। पुलिस इस पहलू पर भी जांच कर रही कि कहीं किसी ने सुपारी देकर दंपती की हत्या तो नहीं कराई।

ऐशबाग पुलिस ने तीन दिन पहले सुदामा नगर निवासी रिटायर्ड दंपती हेमंत बारीक (70) और उनकी पत्नी शकुंतला बारीक (70) की लाश उनके ही घर से बरामद की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि दोनों को दो-दो गोली मारी गई थीं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की लेकिन तीन दिन बाद भी कोई अहम सुराग नहीं मिल पाया है। जांच फिलहाल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), सीसीटीवी फुटेज और रिश्तेदारों से पूछताछ पर टिकी हुई है। पुलिस का मानना है कि दोहरे हत्याकांड को किसी करीबी ने अंजाम दिया है

और इसके पीछे संपत्ति या पैसों का विवाद हो सकता है।

कैमरे खंगाले, कॉल डिटेल निकलवाई

पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें घटनास्थल से मुख्य सड़क तक लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल चुकी हैं। साथ ही मृतक दंपती के मोबाइल फोन की सीडीआर निकलवाई गई। जिससे घटना से पहले संपर्क में आए लोगों की जानकारी मिल सके।

पुलिस को उम्मीद है कि तकनीकी साक्ष्यों से जल्द अहम सुराग मिलेंगे। एफएसएल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार दोनों को बेहद करीब से गोली मारी गई थी। डॉक्टरों की राय मिलने के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए चुनिंदा शार्प शूटरों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल संदिग्धों से पूछताछ शुरू की है। हालांकि अब तक कोई सफलता नहीं मिली है।

पिछले दरवाजे के घुसे बदमाश

सूत्रों के मुताबिक घटना के समय मकान का पिछला दरवाजा खुला था, जिससे आशंका है कि आरोपी पीछे के रास्ते से घर में घुसे और वारदात के बाद उसी रास्ते से फरार हो गए। दंपती की ऊपरी मंजिल छात्रों को किराए पर दी गई थी। दो दिन तक दोनों के नहीं दिखने पर किराएदार किराया देने पहुंचा तो घर से बदबू आ रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोलकर देखा तो हेमंत बारीक का शव बिस्तर पर और शकुंतला बारीक का शव सोफे पर पड़ा मिला। पुलिस को आशंका है कि हत्या किसी परिचित ने की है। संपत्ति या पैसों का विवाद संभावित वजह माना जा रहा है। शार्प शूटरों और आपराधिक प्रवृत्ति के संदिग्धों से भी पूछताछ जारी है।

छिंदवाड़ा में कमलनाथ के 'लापता विधायक' वाले पोस्टर से गरमाई सियासत, भाजपा ने गिनाईं क्षेत्र की समस्याएं

छिंदवाड़ा (ए.)। छिंदवाड़ा की राजनीति में सोमवार को उस समय नया मोड़ आ गया, जब छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के दूरस्थ ग्राम जैतपुर में विधायक एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को लेकर लगाए गए पोस्टर चर्चा का विषय बन गए।

गांव में कई स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों में कमलनाथ को लापता विधायक बताते हुए उनके क्षेत्र में नहीं आने और जनता की समस्याओं से दूरी बनाने के आरोप लगाए गए हैं। पोस्टर सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया है और भाजपा-कांग्रेस के बीच एक बार फिर जुबानी जंग शुरू होने के आसार बन गए हैं।

जानकारी के अनुसार पोस्टरों में क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र इन दिनों कई समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन विधायक कमलनाथ जनता के बीच दिखाई नहीं दे रहे हैं। खासकर पेयजल संकट, ग्रामीण क्षेत्रों में अधूरी व्यवस्थाएं और बारिश की कमी के कारण बढ़ती परेशानियों को लेकर भाजपा ने कमलनाथ को निशाने पर लिया है।

पानी के संकट को बनाया मुद्दा

भाजपा नेताओं का कहना है कि जिले के कई हिस्सों में जलसंकट गहराने लगा है। बारिश का इंतजार कर रहे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या बढ़ती जा रही है। कई गांवों में लोग पानी के लिए परेशान हैं, लेकिन क्षेत्र के

विधायक होने के बावजूद कमलनाथ इस मुद्दे पर सक्रिय नजर नहीं आ रहे हैं। भाजपा का दावा है कि जनता की आवाज उठाने और क्षेत्रीय समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए यह पोस्टर लगाए गए हैं।

कांग्रेस के गढ़ में भाजपा का राजनीतिक संदेश

छिंदवाड़ा लंबे समय से कमलनाथ और कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। ऐसे में उनके ही विधानसभा क्षेत्र में लापता विधायक के पोस्टर लगना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह केवल पोस्टर नहीं बल्कि भाजपा का एक राजनीतिक संदेश है, जिसके जरिए वह यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि अब कांग्रेस का प्रभाव कमजोर पड़ रही है और जनता जवाब मांग रही है।

ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बने पोस्टर

जैतपुर और आसपास के क्षेत्रों में पोस्टर चर्चा का विषय बने हुए हैं। ग्रामीणों के बीच भी इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा बता रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को समय-समय पर जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना चाहिए।

लोकसभा चुनाव के बाद बढ़ी राजनीतिक सक्रियता

लोकसभा चुनाव के बाद छिंदवाड़ा की राजनीति में लगातार बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भाजपा जिले में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए लगातार सक्रिय दिखाई दे रही है। वहीं, कांग्रेस अपने परंपरागत वोट बैंक को बचाए रखने की कोशिश में जुटी है। ऐसे में पोस्टर वार को आगामी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार

पोस्टर लगाए जाने के बाद भाजपा नेताओं ने इसे जनता की भावना बताया है, जबकि कांग्रेस की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है।

फिलहाल जैतपुर में लगे इन पोस्टरों ने जिले की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। भाजपा ने जहां इसे जनता की आवाज बताया है, वहीं कांग्रेस समर्थक इसे सस्ती राजनीति और प्रचार हासिल करने की कोशिश करार दे रहे हैं।

अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि इस पूरे मामले पर कमलनाथ या कांग्रेस संगठन की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है।

96 घंटे तक बाथरूम में डटी रही कोबरा नागिन, रेस्क्यू के बाद मिली राहत

जबलपुर (ए.)। जिले के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सिहौदा में एक परिवार के लिए बीते चार दिन किसी डरावने सपने से कम नहीं रहे। यहां रहने वाले रमेश भुमिया का पूरा परिवार पिछले 96 घंटों से खौफ के साए में जीने को मजबूर था। इस भारी दहशत की वजह कोई और नहीं, बल्कि उनके घर में जबरन दाखिल हुई एक विशालकाय कोबरा नागिन थी। इस जहरीले जीव ने घर के बाथरूम से लेकर कमरों तक पर ऐसा कब्जा जमाया कि परिवार के सभी सदस्यों की रातों की नींद और दिन का चैन पूरी तरह छिन गया। हालत यह थी कि कोई भी घर में खुलकर सांस तक नहीं ले पा रहा था।

कभी किचन तो कभी टीवी पर जमा लेती थी डेरा

पीड़ित परिवार के मुताबिक, यह खतरनाक नागिन पल-पल अपनी जगह बदल रही थी, जिससे डर का माहौल और ज्यादा गंभीर हो गया था। वह कभी रेंगते हुए रसोई घर (किचन) में घुस जाती, तो कभी अचानक टीवी सेट के ऊपर जाकर बैठ जाती थी। हद तो तब हो गई जब शाम के वक्त परिवार के एक सदस्य ने जैसे ही बाथरूम का दरवाजा खोला, तो सामने नागिन को फन फैलाए देख उसकी चीख निकल गई।

एमपी के मोहिघाट में 10 मिनट के भीतर दो बसें हादसे का शिकार, 22 से ज्यादा यात्री घायल; छह गंभीर नागपुर रेफर

छिंदवाड़ा/पांढुर्णा (ए.)। छिंदवाड़ा से लगे पांढुर्णा के मोहि घाट पर सोमवार को हुए दोहरे सड़क हादसे ने यात्रियों में दहशत फैला दी। घाट के खतरनाक मोड़ और ढलान पर कुछ ही मिनटों के अंतराल में दो यात्री बसें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। हादसे में 22 से अधिक यात्री घायल हो गए, जबकि 15 से ज्यादा लोग बसों के भीतर फंस गए थे। गंभीर रूप से घायल छह यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, दोनों बसें भोपाल और इंदौर से यात्रियों को लेकर पांढुर्णा की ओर आ रही थीं। सुबह के समय क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी। इसी दौरान मोहि घाट के ढलान वाले हिस्से में पहले एक बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई। कुछ ही मिनट बाद दूसरी बस भी हादसे का शिकार हो गई। लगातार दो बसों के दुर्घटनाग्रस्त होने से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की चीख-पुकार सुनाई देने लगी।

बसों में फंसे यात्रियों को शीशे तोड़कर निकाला

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण, राहगीर और पुलिस मौके पर पहुंच गए। कई यात्री बसों के भीतर फंसे हुए थे। स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए बसों के शीशे तोड़े और दरवाजे खोलकर यात्रियों को बाहर निकाला। बाद में पुलिस और बचाव दल ने संयुक्त रूप से राहत कार्य चलाया। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

हाथ-पैर टूटे, सिर में आई गंभीर चोटें

घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से पांढुर्णा सिविल अस्पताल सहित आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार कई यात्रियों के सिर, हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। कुछ यात्रियों की हालत चिंताजनक होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए नागपुर रेफर किया गया। अस्पताल में घायलों के परिजन भी बड़ी संख्या में पहुंच गए।

घायल यात्री बोला- सड़क पर फैला था ऑयल, बारिश से बढ़ी फिसलन

हादसे में घायल अशफाक खुर्शीद ने बताया कि दुर्घटना के समय बारिश हो रही थी और सड़क पर ऑयल फैला हुआ था। इससे सड़क बेहद फिसलन भरी हो गई थी। चालक ने बस को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने से हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने भी सड़क पर ऑयल और बारिश के कारण बढ़ी फिसलन को दुर्घटना की बड़ी वजह बताया।

पहाड़ी से मलबा गिरने से ओंकारेश्वर में अफरा-तफरी, चार दुकानों को भारी नुकसान

ओंकारेश्वर (ए.)। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच रविवार रात एक बड़ा हादसा टल गया। ब्रह्मपुरी क्षेत्र में झूला पुल मार्ग स्थित राठौर धर्मशाला के नीचे चढ़ाई के पास रात करीब 11:20 बजे पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और पत्थर सड़क पर आ गिरे।

मलबे की चपेट में आने से रवि केवट, प्रवीण केवट, अरुण केवट सहित एक अन्य दुकानदार की चार दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। दुकानों में रखा सामान भी मलबे में दब गया, जिससे दुकानदारों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ।

यहां दिनभर भारी भीड़ रहती है

अच्छी बात ये रही है यह घटना उस समय हुई, जब सभी दुकानें बंद हो चुकी थीं और दुकानदार अपने-अपने घर जा चुके थे। यदि यह हादसा दिन में या श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान होता, तो बड़ी

जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता था। रात्रि की वजह से बड़ा हादसा टल गया। झूला पुल मार्ग तीर्थयात्रियों का प्रमुख मार्ग होने के कारण यहां दिनभर भारी भीड़ रहती है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी। मलबा सड़क पर फैल जाने से कुछ समय के लिए आवागमन भी प्रभावित हुआ और लोगों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला गया।

पहाड़ी से मलबा खिसककर सड़क पर आ गया

सोमवार सुबह नगर परिषद ओंकारेश्वर की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की सहायता से मलबा हटाने का कार्य शुरू कराया। सीएमओ मोनिका पारधी ने बताया कि अत्यधिक वर्षा के कारण पहाड़ी से मलबा खिसककर सड़क पर आ गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि नगर परिषद लगातार संवेदनशील स्थानों की निगरानी कर रही है तथा जहां खतरे की आशंका है, वहां चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वर्षा के दौरान पहाड़ियों और ढलानों के समीप अनावश्यक रूप से न रुकें तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

चलती ट्रेन के एस-6 कोच से लापता हुई महिला, समर वेकेशन से लौट रहा था परिवार; RPF-GRP जांच में जुटी

कटनी (ए.)। मध्यप्रदेश के कटनी रेल मंडल में चलती ट्रेन से एक महिला के रहस्यमयी तरीके से लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस के एसी कोच से महिला के गायब होने के बाद रेलवे पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही RPF और GRP की संयुक्त टीम जांच में जुट गई है और पूरे रूट के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक चलती ट्रेन से महिला के रहस्यमयी तरीके से लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 19489) के एसी कोच क्र-1 की है, जहां उत्तर प्रदेश निवासी अंजली उर्फ डिंपल यादव सफर के दौरान अचानक गायब हो गईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना 28 तारीख की तड़के सुबह की बताई गई जहां दमोह-कटनी रेलखंड के बीच देर सुबह साढ़े 3 से 5 बजे के बीच हुई मानी जा रही है।

लापता हुई महिला अंजली यादव के देवर अंकित यादव ने बताया कि घटना दौरान भाभी अंजली अपने पिता अशोक यादव के साथ गोरखपुर से 27 जून को अहमदाबाद लौट रही थीं। देर रात महिला की अपने पति और देवर से बात हुई तो खुद को दमोह स्टेशन में होना बताया गया था, जिसके बाद दोनों अपने एसी कोच B-1 की बर्थ संख्या 41 पर सोने चले गए। लेकिन जब रात में पिता की नींद खुली तो अंजली अपनी बर्थ पर नहीं थी। ट्रेन और कोच में काफी तलाश के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला, जिसके बाद ट्रेन स्टाफ को सूचना दी गई। परिजनों के अनुसार घटना से कुछ घंटे पहले अंजली का सूटकेस भी चोरी हो गया था, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है।

बीड़ी के विवाद में तलवार से युवक की हत्या, नागदा में तनाव; परिजन बोले- अन्य आरोपी भी थे साथ

उज्जैन (ए.)। उज्जैन के नागदा में रविवार रात मामूली विवाद ने 18 साल के युवक की जान ले ली। बिड़लाग्राम थाना क्षेत्र के जी ब्लॉक टापरी इलाके में बीड़ी मांगने को लेकर हुए झगड़े में 50 वर्षीय मोहनलाल ढोली ने तलवार से हमला कर जय प्रकाश ठाकुर की हत्या कर दी।

जानें क्या है पूरा मामला ?

रविवार रात करीब 11 बजे आरोपी मोहनलाल ढोली नशे की हालत में जी ब्लॉक टापरी पहुंचा। उसने वहां मौजूद 18 वर्षीय जय प्रकाश ठाकुर से बीड़ी मांगी। जय प्रकाश ने बीड़ी नहीं होने की बात कही तो दोनों में कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने कमर से तलवार निकालकर युवक पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर घायल जय प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई।

दादा-दादी के साथ रहता था मृतक

जय प्रकाश अपने दादा-दादी के साथ नागदा में रहता था। उसके माता-पिता रोजगार के सिलसिले में इंदौर में रहते हैं। परिवार का इकलौता सहारा छिन जाने से दादा-दादी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पन्ना की धरती फिर हुई मेहरबानः अहिरगवा की खदान में मजदूर को दूसरी बार मिला हीरा; कीमत 30 लाख रुपये से अधिक

पन्ना (ए.)। पन्ना की धरती एक बार फिर अपनी बेशकीमती दौलत के कारण सुर्खियों में है। हीरा नगरी पन्ना में एक मजदूर राजू आदिवासी की किस्मत उस समय चमक उठी, जब उसे खदान में काम करते हुए 11.19 कैरेट का उज्ज्वल किस्म का हीरा मिला। इस हीरे की अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है।

अहिरगवा की निजी खदान में मिला हीरा

जानकारी के अनुसार, पन्ना जिले के अहिरगवा क्षेत्र स्थित एक निजी हीरा खदान में काम कर रहे राजू आदिवासी को खुदाई के दौरान यह चमचमाता हीरा मिला। हीरा मिलने के बाद राजू ने नियमानुसार उसे पन्ना हीरा कार्यालय में जमा करा दिया। हीरा कार्यालय के अधिकारियों ने जांच के बाद इसे 11.19 कैरेट का उज्ज्वल किस्म का हीरा बताया है।

अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये से अधिक

विशेषज्ञों का कहना है कि इस हीरे की अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये से अधिक हो सकती है। हालांकि, इसकी वास्तविक कीमत आगामी नीलामी में तय होगी। नीलामी से प्राप्त राशि में शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार रॉयल्टी और कर की कटौती के बाद शेष राशि हीरा मिलने वाले व्यक्ति को दी जाएगी।

व्यापार समाचार

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव से सेंसेक्स-निफ्टी फिर कमजोर पड़े

नई दिल्ली (ए.)। लगातार दो कारोबारी सत्रों की शानदार तेजी के बाद, सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला है। पश्चिम एशिया में में ईरान और अमेरिका के बीच अचानक बढ़े भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों के मन में डर पैदा कर दिया है। इसी तनाव के चलते सोमवार को न केवल भारतीय बाजार गहरे लाल निशान में बंद हुए, बल्कि दुनियाभर के बाजारों में भी खलबली मच गई।

सेंसेक्स, निफ्टी और रुपये में कितनी गिरावट दर्ज की गई ?

सोमवार के कारोबारी सत्र के अंत में, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 372.10 अंक (0.48त्न) का गोता लगाकर 76,728.37 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 109.75 अंक (0.46त्न) फिसलकर 23,946.25 के स्तर पर आ गया। शेयर बाजार की इस भारी गिरावट और अनिश्चितता का सीधा असर भारतीय मुद्रा पर भी दिखाई दिया, जहां अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे कमजोर होकर 94.54 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ।

ब्रॉडर मार्केट और सेक्टोरल इंडेक्स का क्या हाल रहा ?

बाजार में आई यह गिरावट सिर्फ लार्ज-कैप शेयरों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि ब्रॉडर मार्केट में भी इसका भारी असर दिखा। निफ्टी स्मॉलकैप 100 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.6त्न तक टूट गए। अलग-अलग सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी ऑटो इंडेक्स सबसे ज्यादा नुकसान में रहा और 2त्न से अधिक लुढ़क गया। हालांकि, चौतरफा बिकवाली के इस माहौल में निफ्टी फार्मा ने निवेशकों को थोड़ी राहत दी और यह 1त्न से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ।

किन प्रमुख शेयरों ने निवेशकों को किया निराश ?

सोमवार को बाजार का मिजाज पूरी तरह नकारात्मक रहा। एनएसई पर कुल 2,036 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,330 शेयरों में ही बढ़त देखने को मिली और 104 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। प्रमुख कंपनियों की बात करें तो अडाणी एंटरप्राइजेज और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में तगड़ी बिकवाली हुई और दोनों कंपनियों के शेयर 2-2 फीसदी तक गिर गए।

होंडा एक्टिवा स्कूटर की 2.28 लाख से अधिक इकाइयां बेची

नई दिल्ली (ए.)। बीते महीने देश के शीर्ष पांच सर्वाधिक बिकने वाले स्कूटरों की सूची सामने आई है, जिसमें होंडा, टीवीएस और सुजुकी जैसी कंपनियों के मॉडल शामिल हैं। इस सूची में होंडा एक्टिवा ने एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल किया है। हाल ही में जारी हुई एक रिपोर्ट के अनुसार, बीते महीने इस लोकप्रिय स्कूटर की 2.28 लाख से अधिक इकाइयां बेची गईं। यह पिछले साल इसी अवधि (मई 2025) के दौरान बेची गई 1.90 लाख इकाइयों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो बाजार में एक्टिवा की मजबूत पकड़ को उजागर करता है। दूसरे स्थान पर टीवीएस जुपिटर ने अपनी जगह बनाई है। कंपनी ने बीते महीने जुपिटर की 1.24 लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री की। यह संख्या 2025 के मई महीने में 97 हजार से अधिक यूनिट्स की बिक्री से कहीं अधिक है, जो टीवीएस के इस मॉडल की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

सोने-चांदी की रफ्तार पर लगा ब्रेक

- सोना 1,43,969 रुपए प्रति 1 ग्राम, चांदी 2,21,721 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी के वायदा भाव में सोमवारको शुरुआती तेजी कायम नहीं रह सकी। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में कारोबार के दौरान कीमती धातुओं की चमक फीकी पड़ गई और भाव गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट शुरुआती तेजी के बाद 193 रुपये की गिरावट के साथ 1,43,969 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह 18 रुपये की तेजी के साथ 1,44,180 रुपये पर खुला था। वहीं, चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट भी 684 रुपये की गिरावट के साथ 2,20,720 रुपये प्रति किलोग्राम पर था, जबकि इसने 376 रुपये के उछाल के साथ 2,21,780 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 11.40 डॉलर की गिरावट के साथ 4,084.90 डॉलर प्रति औंस पर, जबकि चांदी 0.55 डॉलर की कमी के साथ 58.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

पाकिस्तान विडंबना का नायाब उदाहरण

कोई देश बड़ा भू-राजनीतिक मूल्य रख सकता है। मगर उसके साथ ही अपने राष्ट्रीय विकास की क्षमता के अभाव से वह ग्रस्त भी बना रह सकता है। पाकिस्तान इस विडंबना का नायाब उदाहरण है। ईरान- अमेरिका के बीच समझौता कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा कर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है। उसके योगदान की तारीफ अमेरिका और ईरान के साथ-साथ अन्य देशों ने भी की है। इसके बावजूद अपनी नई कूटनीतिक हैसियत का पाकिस्तान अपने राष्ट्रीय हित मे ज्यादा फायदा उठा सकेगा, ऐसा मानने वाले लोग कम ही हैं। वजह यह तथ्य है कि रणनीतिक स्थिति से बनने वाली हैसियत (या उस कारण मिलने वाली बाहरी वित्तीय या राजनीतिक मदद) और राष्ट्र निर्माण की किसी राज्य की क्षमता- समान चीजें नहीं हैं। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण पाकिस्तान कई महत्त्वपूर्ण देशों के लिए खास रहा है। चीन के लिए वह कीमती रणनीतिक भागीदार है। चीन उसका इस्तेमाल भारत की शक्ति को संतुलित करने के लिए करता है। साथ ही अरब सागर तक जाने वाले एक गलियारे के रूप में चीन के लिए उसकी अहमियत है। अमेरिका के लिए पाकिस्तान कारणों से उपयोगी है। अफगानिस्तान और ईरान तक पहुंच, पश्चिम को निशाने बनाने वाले आतंकवाद का मुकाबला, और चीन की रणनीतिक गतिविधियों को सीमित करने के लिहाज से अमेरिका उसे अहमियत देता है। अपनी परमाणु एवं अन्य सैन्य क्षमता के कारण वह सऊदी अरब एवं अन्य खाड़ी देशों के लिए महत्त्वपूर्ण है। इन वजहों से उसे वित्तीय एवं कूटनीतिक मदद भी मिलती है। लेकिन हकीकत यही है कि पाकिस्तान ने बाहरी मदद को अपनी औद्योगिक क्षमता, वित्तीय ताकत और टिकाऊ घरेलू शासन में बदलने में पूर्णत: विफल रहा है। वह आज भी सैन्य नेतृत्व वाला सुरक्षा-केंद्रित राज्य बना हुआ है। बेशक उसने लंबे समय से अपनी रणनीतिक स्थिति का फायदा उठाकर कई महाशक्तियों से पैसा और संसाधन बटोरे हैं। फिर भी उसे आगे बढ़ते या अपनी उभरती शक्ति वाले देश के रूप में नहीं देखा जाता। तो असली सबक यही है कि कोई देश बड़ा भू-राजनीतिक मूल्य रख सकता है। मगर साथ ही उस मूल्य को अपने राष्ट्रीय विकास में बदलने की संस्थागत क्षमता के अभाव से वह ग्रस्त भी बना रह सकता है। पाकिस्तान इस विडंबना का नायाब उदाहरण है। अमेरिका- ईरान समझौते में उसकी अहम भूमिका के बावजूद यह वास्तविकता नहीं बदलने वाली है।

फ़िर पेपर लीक: अंदरूनी विश्वासघात- घर का भेदी लंका ढाए -युवाओं के भविष्य की चोरी या व्यवस्था की सबसे बड़ी विफ़लता व कमजोरी?

महाराष्ट्र टीईटी पेपर 2026 लीक से उठे सवाल- समग्र व्यापक विश्लेषण

-एडवोकेट किस सनमुखदास भावनानी गोंदिया
महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर घर का भेदी लंका ढाए,यह कहावत आज भारत की परीक्षा प्रणाली पर पहले से कहीं अधिक सटीक बैठती दिखाई देती है।कभी पानी की पाइपलाइन,गैस लाइन या टैंकर लीक होने की खबरें चर्चा का विषय होती थीं,लेकिन आज लीक शब्द सुनते ही लोगों के मन में पहला प्रश्न आता है, आज किस परीक्षा का पेपर लीक हुआ? यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और ज्ञान- आधारित समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है। किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के वर्षों के परिश्रम, सपनों और भविष्य की खुली चोरी है। जब एक विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करके परीक्षा केंद्र तक पहुंचता है और अंतिम क्षणों में परीक्षा रद्द या स्थगित कर दी जाती है, तो उसका केवल समय और धन ही नहीं, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी टूटता है। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (महा टेट 2026) का परीक्षा से ठीक पहले स्थगित होना इसी गहरी बीमारी का सटीक ताजा उदाहरण है। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा रविवार 28 जून 2026 को आयोजित थी, किंतु एक दिन पहले ठाणे के भिवंडी क्षेत्र में पुलिस द्वारा पेपर लीक रैकेट का भंडाफोड़ किए जाने के बाद सरकार को परीक्षा तत्काल स्थगित करनी पड़ी। प्रारंभिक जांच में वास्तविक प्रश्नपत्र आरोपियों के पास मिलने की पुष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह कोई अफवाह नहीं, बल्कि संगठित अपराध था।लाखों अभ्यर्थियों की तैयारी,यात्रा, मानसिक तनाव और भविष्य एक झटके में अधर में लटक गया। यह घटना केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब राष्ट्रीय स्तर पर पेपर लीक की घटनाओं के बाद परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ बनाने के दावे किए गए थे,तब फिर ऐसी घटनाएं कैसे हो रही हैं? यदि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो चुकी है,तो प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले अपराधियों तक कैसे पहुंच गया? इसका उत्तर केवल तकनीकी कमजोरी में नहीं, बल्कि व्यवस्था के भीतर मौजूद मानवीय भ्रष्टाचार और संस्थागत मिलीभगत में छिपा है। पेपर लीक की लगभग हर बड़ी घटना यह संकेत देती है कि यह केवल बाहरी अपराधियों का काम नहीं होता। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर मुद्रण, पैकेजिंग, परिवहन, सुरक्षित भंडारण और वितरण तक अनेक चरण होते हैं। इनमें किसी भी स्तर पर यदि कोई व्यक्ति धन, प्रभाव या लालच के कारण गोपनीयता

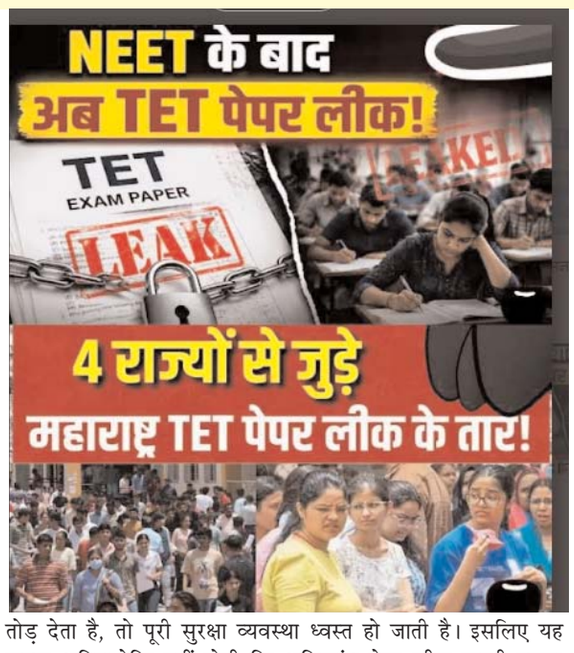

तोड़ देता है, तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अधिकांश पेपर लीक बाहरी हमला नहीं, बल्कि अंदरूनी विश्वासघात होते हैं। वास्तव में घर का भेदी लंका ढाए वाली स्थिति ही इस समस्या का मूल है।

साथियों, महाराष्ट्र मामले की जांच में सामने आए तथ्यों ने भी इसी ओर संकेत किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद अंडरकवर ऑपरेशन चलाया गया। अधिकारियों ने स्वयं को पेपर खरीदने वाला ग्राहक बताकर आरोपियों से संपर्क किया और दो दिनों तक उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी। बड़ी धनराशि का लालच देकर सौदे के लिए बुलाया गया और जैसे ही प्रश्नपत्र सौंपा गया, तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में दिल्ली सहित कई राज्यों तक फैले अंतरराज्यीय नेटवर्क के संकेत मिले, जिसके बाद विशेष जांच दल ने विभिन्न राज्यों में जांच शुरू की। इससे स्पष्ट है कि पेपर लीक अब छोटे स्तर का अपराध नहीं रहा, बल्कि यह करोड़ों रुपये के संगठित आपराधिक नेटवर्क का रूप ले चुका है। आज डिजिटलतकनीक ने जहां सुविधाएं बढ़ाई हैं, वहीं अपराधियों को भी नए माध्यम उपलब्ध करा दिए हैं। व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर कुछ ही मिनटों में प्रश्नपत्र हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इसलिए केवल प्रिंटिंग प्रेस की सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। साइबर सुरक्षा, डिजिटल निगरानी और डेटा सुरक्षा को भी समान महत्व देना होगा। यदि डिजिटल चैनल सुरक्षित नहीं होंगे, तो कोई भी गोपनीय दस्तावेज सुरक्षित नहीं रह सकता।

साथियों, पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान केवल परीक्षा स्थगित होना नहीं है। इसका सबसे गंभीर प्रभाव युवाओं के मनोविज्ञान पर पड़ता है। वर्षों की मेहनत करने वाला छात्र स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। वह सोचने लगता है कि मेहनत से अधिक महत्व पैसे, पहुंच और भ्रष्ट नेटवर्क का है। यह भावना प्रतिभाशाली युवाओं में निराशा, अविश्वास और मानसिक तनाव को जन्म देती है। यदि यह स्थिति लगातार बनी रही,तोइसका प्रभाव केवल शिक्षा पर नहीं, बल्कि देश की प्रशासनिक गुणवत्ता,सामाजिक विश्वास और आर्थिक विकास पर भी पड़ेगा।भारत के लिए यह समय केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली के पुनर्गठन का है। केवल पेपर लीक होने के बाद एसआईटी बनाना और कुछ गिरफ्तारियां करना पर्याप्त समाधान नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिसमें पेपर लीक होना तकनीकी और प्रशासनिक रूप से लगभग सटीकता से असंभव हो जाए।

साथियों, इस संदर्भ में विश्व के अनेक देशों ने अत्यंत प्रभावी मॉडल विकसित किए हैं, जिनसे भारत महत्वपूर्ण सीख ले सकता है। चीन की राष्ट्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा गाओकाओ को दुनिया की सबसे सुरक्षित परीक्षाओं में माना जाता है। वहां प्रश्नपत्रों को राष्ट्रीय गोपनीय दस्तावेज का दर्जा प्राप्त है। प्रश्नपत्रों की छपाई अत्यधिक सुरक्षित परिसरों में होती है और उनका परिवहन बख्तरबंद वाहनों, जीपीएस ट्रैकिंग, वीडियो निगरानी तथा सशस्त्र सुरक्षा के बीच किया जाता है। परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन, फेस रिकग्निशन, एआई कैमरे, रेडियो जैमर और इलेक्ट्रॉनिक डिटेक्शन सिस्टम का उपयोग किया जाता है। वहां पेपर लीक केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाता है।अमेरिका ने एक अलग रास्ता अपनाया है। वहां विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं में तेजी से डिजिटल प्रणाली लागू की गई है। प्रश्नपत्रों की लंबी अवधि तक भौतिक रूप में उपलब्धता समाप्त कर दी गई है।

विपक्ष भाजपा के लिए वरदान की तरह

अजीत द्विवेदी

विपक्षी पार्टियां सरकार से लड़ने के लिए कितना सुविधानजक रास्ता चुनती हैं इसकी मिसाल 'इंडिया' ब्लॉक की आठ जून को हुई बैठक है। इस बैठक में विपक्षी पार्टियों के बीच पांच प्रस्तावों पर सहमति बनी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। इनमें से दो मुद्दे तो विपक्षी गठबंधन के अंदर आपसी तालमेल से जुड़े हैं। बैठक में यह तय किया गया कि हर दो महीने में 'इंडिया' ब्लॉक की बैठक होगी। इस लिहाज से अगली बैठक के लिए आठ अगस्त का दिन तय किया गया। आठ अगस्त को हैदराबाद में अगली बैठक होगी। इसके अलावा एक सहमति इस पर बनी कि संसद के मानसून सत्र में विपक्ष की सभी पार्टियां हर दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले बैठक करेंगी। यह पहले से भी होता था। सुबह 10 बजे राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चैम्बर में विपक्ष की बैठक होती थी। इसलिए इसमें कुछ नया नहीं है।

विपक्ष की बैठक में बाकी जिन तीन प्रस्तावों पर सहमति बनी वो देश के सामने मौजूद ज्वलंत समस्याओं से जुडे हैं। पहला प्रस्ताव मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर है। विपक्षी पार्टियों ने तय किया कि एसआईआर में निष्पक्षता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को चिट्ठी लिखी जाएगी। एक प्रस्ताव यह स्वीकार किया गया कि नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक होने और सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षा में हुई गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग जाएगा। तीसरी सहमति इस प्रस्ताव पर बनी कि महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की जाएगी। इस पूरे मामले में आंदोलन करने का एक भी प्रस्ताव नहीं लाया गया। किसी ने यह जरुरत नहीं समझी कि महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, एसआईआर को लेकर लगातार चलने वाला जन आंदोलन शुरू किया जाए और सरकार को जनता की नजर में जवाबदेह बनाया जाए।

सोचें, इससे पहले कब ऐसा विपक्ष देखने को मिला था, जो लगातार हो रहे पेपर लीक और छात्रों की परेशानी को लेकर अपने ड्राइंग रूम में बैठे बैठे शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगे! कब ऐसा विपक्ष रहा था, जो महंगाई और बेरोजगारी पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करे! जब भाजपा विपक्ष में थी यानी 2014 से पहले तो गैस सिलेंडर में 10 रुपए की बढ़ोतरी या पेट्रोल, डीजल की कीमत में एक रुपए की बढ़ोतरी के खिलाफ सड़क पर उतरती थी। चीनी और तेल की महंगाई के खिलाफ खुद कांग्रेस के आंदोलन की वजह से ढाई साल की मोरारजी देसाई सरकार 1980 में चुनाव हार गई थी। 1998 में प्याज की कीमतों पर राजधानी दिल्ली में भाजपा की सरकार चली गई थी। लेकिन अब महंगाई बेतहाशा बढ़ रही है और बेरोजगारी कहां जाकर रूकेगी इसका अंदाजा किसी को नहीं है लेकिन विपक्ष कह रहा है कि इस पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सर्वदलीय बैठक होगी तो विपक्ष के नेता अपने वातानुकूलित ड्राइंग रूम से निकल कर, वातानुकूलित गाड़ी में बैठ कर, संसद या उसकी एनेक्सी के किसी वातानुकूलित कक्ष में पहुंच जाएंगे, जहां चाय, पकौड़ी खाते हुए महंगाई और बेरोजगारी पर चर्चा होगी और अखबारों में कहीं सिंगल कॉलम की खबर बनेगी।

इसी तरह से एसआईआर का मामला है। बिहार सबसे पहला राज्य था, जहां एसआईआर हुआ। उस समय बिहार में विधानसभा का चुनाव होने वाला था तो राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर 15 दिन तक यात्रा की थी। हालांकि राजद के तेजस्वी यादव इसे लेकर बहुत सहज नहीं थे। फिर भी वे साथ घूमे।

लेकिन उसके बाद राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की। पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद विपक्ष को फिर लग रहा है कि एसआईआर का उनको नुकसान हो सकता है। बंगाल में 27 लाख से ज्यादा नाम तार्किक विसंगति के आधार पर काट दिए गए।

इन लोगों के पास दस्तावेज हैं और न्यायाधिकरण में उन दस्तावेजों की जांच के बाद 60 फीसदी लोगों को वैध मतदाता माना जा रहा है। इसका अर्थ है कि तार्किक विसंगति के आधार पर जिन 27 लाख लोगों के नाम कटे हैं उनमें से 22 लाख वैध मतदाता हो सकते हैं। अगर इनके नाम नहीं कटते तो बंगाल का चुनाव नतीजा अलग भी हो सकता था। विपक्ष को यह अंदाजा है कि एसआईआर और परिसीमन दो ऐसी चीजें हैं, जिनके दम पर भाजपा 2029 का चुनाव जीतने की रणनीति बना रही है। लेकिन उस एसआईआर के खिलाफ आंदोलन करने और लोगों को जागृत करने की बजाय विपक्ष चीफ जस्टिस को चिट्ठी लिखेगा।

विपक्ष जब महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करने लगे, लगातार हो रहे पेपर लीक को लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट लिख कर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगे और पूरे चुनाव की दशा और दिशा बदल देने वाले एसआईआर जैसे अभियान पर चिट्ठी लिख कर अपनी शंका जाहिर करे तो समझ लेना चाहिए कि विपक्ष के अंदर सड़क पर उतर कर संघर्ष करने और जन आंदोलन खड़ा करने की क्षमता समाप्त हो गई है। वह सुविधाभोगी और आरामतलब हो गया है। सवाल है कि क्या विपक्ष को जमीनी हकीकत और जनता के मूड का बिल्कुल अंदाजा नहीं है? वर्तमान स्थिति को लेकर खास कर पेपर लीक और सीबीएसई की गड़बड़ियों पर जैसा असंतोष और गुस्सा लोगों के अंदर है वह कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट के फॉलोअर्स की संख्या से जाहिर हुआ।

उसके आंदोलन में जिस तरह से स्वंयस्फूर्त तरीके से हजारों लोग जुटे उससे भी जाहिर हुआ है कि लोग उद्वेलित हैं और जरुरत उनके गुस्से को सही दिशा देने की है। लेकिन विपक्ष इस मौके का लाभ नहीं उठाएगा और लेकिन दूसरी ओर सत्तापक्ष यानी भाजपा इससे सबक लेकर या तो सुधार करेगी या नैरेटिव बदल कर इसको हैंडल करने की कोशिश करेगी। विपक्ष की आठ जून की बैठक में और भी कई चीजें देखने को मिलीं। विपक्ष का आपसी अविश्वास भी दिखा और समन्वय की कमी भी दिखी। लेकिन उसको छोड़ दें तब भी विपक्ष ने जो एजेंडा तय किया उसको देख कर यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि ऐसा विपक्ष भाजपा के लिए वरदान की तरह है।

मुक्त व्यापार समझौतों की बाढ़ में फंसता बाजार

हरिशंकर व्यास

सोचें, डोनाल्ड ट्रंप पर। अमेरिका का कैसा मजाक बना डाला है। चाहे जो कर रहे हैं मगर लोकतंत्र के तकाजे में कोई कुछ भी नहीं कर सकता। ईरान ने अमेरिका को हैसियत दिखा दी है। मेरा मानना है कि साठ दिनों बाद ईरान ही खाड़ी का मालिक होगा। दुनिया का संकट बना रहेगा। बावजूद इसके ट्रंप के झूठ, झांसे हॉट केक की तरह हैं। इसलिए भारत में भी उनका यह कहा अमृत वाक्य है कि नरेंद्र मोदी एक टफ नेगोशिएटर हैं। मोदी देखने में देवदूत जैसे लगते हैं और वे राजनीति में किलर हैं।

सवाल है क्यों ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह 'चरित्र प्रमाणपत्र' दिया? इसलिए क्योंकि दुनिया जानती है कि ज्योंहि प्रमाणपत्र मिलेगा त्योंहि मोदी और उनका मीडिया हिंदू भक्तों के बीच ट्रंपजी के कहे का घर-घर पहुंचा देगा। देखों हमारे भगवान को अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी देवदूत जैसा कहा!

ध्यान रहे, ट्रंप अपने आपको धूर्त, मास्टर सौदेबाज कहते हैं। उन्हे हर किसी को बेवकूफ बनाना आता है। वे प्रोपर्टी डीलर हैं। मिट्टी को भी सोने के भाव बेच सकते हैं। अमेरिका को जैसा अभी चूना लगा रहे हैं, वैसा एक भी राष्ट्रपति अमेरिकी इतिहास में नहीं हुआ है। ऐसे व्यापारी, सौदेबाज की पहली कला यह होती है कि सौदा करने से पहले सामने वाले को उसकी कीमत से थोड़ा ज्यादा महान महसूस करा दिया जाए।

ट्रंप ने आज ही लिखा है कि वे अपने आपको हिटलर, स्टालिन, माओं, सिकंदर आदि से बड़ा शक्तिमान मानते हैं। उन्हे भी इतिहास ऐसे ही याद करेगा। ट्रंप और नरेंद्र मोदी में फर्क यह है कि ट्रंप का लक्ष्य पृथ्वी के इतिहास का नंबर एक युगपुरुष होना है वही नरेंद्र मोदी को कलियुगी भारत का सबसे बड़ा देवता कहलाना है। एक की महानता का लेवल पृथ्वी का आधुनिक इतिहास है। वही दूसरे का कलियुगी हिंदुओं का नंबर एक भगवान बनना है। बारह साल, बारह युग! भारत में कभी चंद्रशेखर नाम के एक प्रधानमंत्री हुआ करते थे। उनके चेलों ने चालीस दिन बनाम चालीस साल के ऐसे नारे बनाए थे कि देश भर के चिरकूट उनका कीर्तन करते थे।

मेष राशि- आपकी दिनचर्या बहुत अच्छी रहेगी, आपके अंदर पॉजिटिविटी बनी रहेगी। आज आप सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आज जो भी कार्य आप हाथ में लेंगे, उसे अपनी मेहनत और लगन से पूरा करेंगे। आपकी सराहना हो सकती है। जो लोग व्यापार करते हैं, उन्हें आज उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा है, आपको ज्यादातर मामलों में लाभ मिलेगा। व्यवसाय में आर्थिक लाभ के योग हैं, मित्रों के सहयोग से कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं। नौकरी करने वाले जातकों को आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। आज आप माता -पिता के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज अपनी अद्भुत क्षमता के साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। आज आपको नौकरी में नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। आपके लिए आमदनी के नये रास्ते खुलेंगे।

कर्क राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा, सही योजना बनाकर ही अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करें, तो आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल रहेंगे। आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रह सकता है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छे अवसर लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही किसी योजना को आज आप समझदारी से पूरा करेंगे। जिससे आप में नेतृत्व करने की क्षमता जगेगी, आपके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज अधिकारियों से आपको सराहना भी मिलेगी ।

कन्या राशि- आज आपका दिन कान्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। आज आपको नौकरी में बेहतर मौके मिलेंगे, जिससे उन्नति के मार्ग अवश्य खुलेंगे। आज आप अपनी मेहनत से सफलता हासिल करेंगे। आज मित्रों के घर जा सकते हैं, इससे आपकी दोस्ती मजबूत होगी।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है। आज आपकी नौकरी बदलने और बेहतर जगह नौकरी पाने की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको इस दिशा में किए गए प्रयास का परिणाम अवश्य मिलेगा। आज आपको जीवनसाथी की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आज आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आप जीवन में सुख समृद्धि के लिए नई योजनाएं बना सकते हैं। आज आप व्यवसाय अथवा रहने के उद्देश्य से किसी भवन निर्माण के बारे में सोच सकते हैं। आज अचल संपत्ति खरीदने का विचार भी मन में आ सकता है। आज आप अपने परिश्रमी एवं उत्साहित स्वभाव के कारण सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे, जिससे आपको सम्मान मिलेगा, दूसरे भी आपसे प्रेरित होंगे।

धनु राशि- आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप बहुत प्रसन्न रह सकते हैं। किसी मित्र या रिश्तेदार के घर विवाहोत्सव में शामिल होने के लिए कहीं की यात्रा कर सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में सफलता के योग हैं।

मकर राशि- आज आपका दिन सुखद रहेगा। आज आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने वाला है। आज आप अपने फिटनेस को लेकर जागरूक रहेंगे। आज कार्य स्थल और व्यवसाय में बढ़ोतरी के योग हैं। आर्थिक लाभ की संभावना बन सकती है।

कुंभ राशि- आज आप अपनी मेहनत के बल पर अपने भाग्य को बदल सकते हैं। आज आपको सभी क्षेत्रों में अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। नौकरीपेशा हैं, तो कार्यस्थल पर आपको जिम्मेदारी मिल सकती हैं।

मीन राशि- आज आपका दिन अच्छा रह सकता है। आज आपको सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है, धैर्य बनाए रखें। आपका व्यक्तित्व आज लोगों को प्रभावित करने वाला रहेगा।

नैतिकता और साहित्य सामाजिक संरचना के महीन रेशे।

संजीव ठाकुर

आज का युग विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। मनुष्य ने विकास के अनेक शिखर छू लिए हैं, किंतु यदि उसके भीतर नैतिक मूल्यों का ह्रास हो जाए तो यह विकास विनाश का कारण भी बन सकता है। ऐसे समय में साहित्य समाज को मानवीय मूल्यों से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर सामने आता है।साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने कहा था कि साहित्य वही है जिसमें उच्च चिंतन, स्वतंत्रता का भाव, सौंदर्य का सार और जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश हो।

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होना चाहिए बल्कि मनुष्य के चरित्र-निर्माण का माध्यम हो।रवीन्द्रनाथ ठाकुर का विश्वास था मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवता ही है।

साहित्य इसी मानवता को जागृत करता है। वह मनुष्य को दूसरे के दु:ख को अपना दु:ख समझना सिखाता है। भारतीय संस्कृति में नैतिकता को धर्म का मूल माना गया है। सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, परोपकार और सहिष्णुता जैसे मूल्य केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं इन्हें साहित्य ने जन-जन तक पहुँचाया है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का संदेश दिया, वहीं कबीर ने पाखंड का विरोध करते हुए प्रेम और सत्य का मार्ग दिखाया।

साहित्य सामाजिक यथार्थ का आईना ही नहीं, उसका मार्गदर्शक भी है।यह कथन केवल एक उक्ति नहीं, मानवीय सभ्यता का सत है। जिस समाज में नैतिकता और साहित्य का सम्मान होता है, वहाँ संवेदनाएँ फलती हैं, न्याय आदर प्राप्त करता है और मनुष्य केवल भौतिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। नैतिकता मनुष्य के चरित्र का आधार है, जबकि साहित्य उसके हृदय की रक्त वाहिनी है। दोनों का समन्वय ही किसी सभ्य समाज का वास्तविक मूल है।

महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि सत्य और अहिंसा ही मेरे जीवन का धर्म है। उनके विचारों पर साहित्य का गहरा प्रभाव था। उन्होंने अनेक ग्रंथों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को नैतिकता का उदाहरण बनाया।

रूसी साहित्यकार लियो टॉल्स्टॉय का मानना था कि सच्ची कला मानवता को जोड़ती है।

उनकी रचनाएँ केवल कहानियाँ नहीं, बल्कि नैतिक चेतना की पाठशाला हैं। इसी प्रकार मैक्सिम गोर्की ने साहित्य को संघर्षशील समाज की आवाज़ बताया। हिंदी के महान कवि रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।यह बात केवल प्रेरणा नहीं देती, बल्कि आत्मविश्वास और नैतिक साहस का भी संदेश देती है। आज समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है,भ्रष्टाचार, हिंसा, उपभोक्तावाद, पारिवारिक विघटन, पर्यावरण संकट और सामाजिक असहिष्णुता। इन समस्याओं का समाधान केवल कानून से संभव नहीं है। जब तक मनुष्य के भीतर नैतिक चेतना जागृत नहीं होगी, तब तक स्थायी परिवर्तन नहीं आएगा। यह कार्य साहित्य ही कर सकता है, क्योंकि वह सीधे मनुष्य के हृदय से संवाद करता है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में यदि साहित्य और नैतिक शिक्षा को समान महत्व दिया जाए तो भावी पीढ़ी केवल सफल ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक भी बनेगी। एक वैज्ञानिक, डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासक या राजनेता तभी समाज का हित कर सकता है जब उसके भीतर नैतिकता का प्रकाश हो।

आज सोशल मीडिया और त्वरित सूचना के युग में साहित्य की भूमिका और भी बढ़ गई है। साहित्य हमें ठहरकर सोचने, आत्ममंथन करने और सही-गलत का विवेक विकसित करने की प्रेरणा देता है। वह मनुष्य को केवल बुद्धिमान नहीं, बल्कि विवेकवान बनाता है। मूलत: नैतिकता समाज की आत्मा है और साहित्य उसकी चेतना। जहाँ नैतिकता होगी, वहाँ विश्वास होगा; जहाँ साहित्य होगा, वहाँ संवेदना होगी। विश्वास और संवेदना मिलकर ही आदर्श समाज का निर्माण करते हैं। इसलिए यदि हमें समृद्ध, न्यायपूर्ण और मानवीय भारत का निर्माण करना है तो साहित्य और नैतिक मूल्यों को जीवन तथा शिक्षा के केंद्र में स्थान देना ही होगा।

समापन में महात्मा गांधी के विचार थे आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए, जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।यही परिवर्तन साहित्य की संवेदना और नैतिकता के आलोक से संभव है। साहित्य मनुष्य को श्रेष्ठ बनाता है और श्रेष्ठ मनुष्य ही श्रेष्ठ समाज तथा श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण करता है।

आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद लगाए देख रही : अनुराग ठाकुर

शिमला,(आरएनएस)। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शिमला के जाखू हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व पर बात की और राज्य में स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद लगाए देख रही है।

अनुराग ठाकुर ने कहा, ऐसा नहीं है कि जब आप भगवान के चरणों में आते हैं, तो सिर्फ कुछ मांगने ही आते हैं। जाखू हनुमान मंदिर एक बहुत पुरानी जगह है। अगर आप इसके आस-पास के खूबसूरत नजारों को देखें, तो आपके अंदर अपने आप ही सकारात्मक ऊर्जा का एहसास जाग उठता है। मेरा मानना है कि जो कोई भी शिमला आता है और जाखू मंदिर नहीं जाता, उसकी यात्रा एक तरह से अधूरी रह जाती है।

सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, 'भारत की तरफ दुनिया देख रही है। भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। यहां सबसे अधिक आबादी है। हर क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर है और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री ने हमें 12 साल तक नेतृत्व दिया। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व ने देश को कोविड, पश्चिम एशिया संकट जैसी चुनौतियों से बाहर निकला। मैं हनुमानजी से प्रार्थना करता हूं कि प्रधानमंत्री को और शक्ति दें।

सांसद ने आगे कहा, हिमाचल प्रदेश सुंदर और देवभूमि है। यहां दुनिया भर से पर्यटक आते हैं। लेकिन जिम्मेदार पर्यटक जरूर होना चाहिए। पर्यटक और स्थानीय लोग प्लास्टिक का उपयोग कर रास्ते में न फेंकें, इससे नाले जाम होते हैं और सड़के गंदी हो जाती हैं। टोक्यों में एक भी डस्टबिन देखने को बाहर नहीं मिलता है। लोग वहां समझदार हैं और कचरे को सड़क पर नहीं फेंकते हैं। जापान के लोग किसी देश के स्टेडियम मैच देखने जाते हैं तो अपने स्टैंड को साफ करके जाते हैं, जिससे उनके देश के छवि अच्छी हो। प्रधानमंत्री भी लोगों से अपील करते हैं कि अपनी जिम्मेदारियों को समझें और साफ-सुथरा बनाएं। सभी लोगों को अपने शहर और देश को स्वच्छ बनाए रखने में अपना योगदान देना चाहिए।

बिहार : बेगूसराय में दो स्कॉर्पियो की टक्कर में चार युवकों की मौत, पांच घायल

बेगूसराय (आरएनएस)। बिहार के बेगूसराय जिले में रविवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सिंघौल थाना क्षेत्र के अंग्रेजी ढाला के पास एनएच-31 पर दो स्कॉर्पियो की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के पोखरिया निवासी हिमांशु कुमार, सनी कुमार, सिकंदर महतो और ऋषभ कुमार के रूप में हुई है। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, पोखरिया के छह दोस्त देर रात स्कॉर्पियो से गंगा स्नान के लिए सिमरिया जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक दूसरी स्कॉर्पियो से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। दूसरी स्कॉर्पियो बखरी थाना क्षेत्र से बारात लेकर विनोदपुर जा रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। एक स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे की सूचना मिलते ही सिंघौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार, कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

भाजपा-रालोद गठबंधन पर सबकी नजर, सीट शेयरिंग बनेगी सबसे बड़ी चुनौती

मेरठ ,(आरएनएस)। भाजपा और रालोद के बीच आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की राह आसान नहीं लग रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दोनों दलों का यह गठबंधन ऊपर से जितना मजबूत दिख रहा है, चुनाव पास आते ही सीटों के गणित को लेकर उतना ही उलझता जा रहा है। दोनों ही पार्टियां अपने राजनीतिक वजूद को बचाने और बढ़ाने की कोशिशों में लगी हैं। यही वजह है कि मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद जैसे जिलों में सीटों का तालमेल इस गठबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।साल 2027 के चुनाव की तैयारियों के साथ ही दोनों दलों के भीतर सीटों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ने के पक्ष में तो हैं, लेकिन कई जिलों की सीटों पर दोनों के बीच पेंच फंसना तय है। रालोद अपनी राजनैतिक पकड़ मजबूत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा सीटों पर दावा कर रहा है, जबकि भाजपा अपनी जीती हुई और मजबूत सीटों को किसी भी कीमत पर छोड़ने के मूड में नहीं है।

बेअदबी कानून में संशोधन नहीं हुआ तो होगी सख्त कार्रवाई, अकाल तख्त का पंजाब सरकार को एक महीने का अल्टीमेटम

अमृतसर(आरएनएस)। श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब सरकार द्वारा पारित 'जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट-2026' पर गंभीर आपत्तियां जताते हुए सरकार को एक महीने के भीतर कानून में संशोधन करने के निर्देश दिए हैं। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने स्पष्ट किया कि बेअदबी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने पर किसी को आपत्ति नहीं है, लेकिन सिख मर्यादा, धार्मिक शब्दावली और पंथ से जुड़े विषयों पर निर्णय लेने का अधिकार केवल सिख पंथ और अकाल तख्त का है, न कि विधानसभा का।सोमवार को श्री अकाल तख्त साहिब में हुई विशेष सुनवाई के दौरान आम आदमी पार्टी के सिख मंत्री और विधायक नंगे पैर लिखित स्पष्टीकरण के साथ पेश हुए। सुनवाई में कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और निर्दलीय विधायक भी मौजूद रहे।सुनवाई की शुरुआत में जत्थेदार ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के दो सार्वजनिक वीडियो चलवाए, जिनमें वे कथित तौर पर यह कहते सुनाई देते हैं कि यदि बेअदबी का आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ हो तो उसके माता-पिता या अभिभावक को भी सजा मिल सकती है। जत्थेदार ने उपस्थित मंत्रियों और विधायकों से पूछा कि क्या ऐसा प्रावधान वास्तव में कानून में शामिल है। इस पर मंत्री स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। इस दौरान कुछ विधायकों ने स्वीकार किया कि उन्होंने विधेयक को विस्तार से पढ़े बिना ही सदन में समर्थन दिया था। जत्थेदार ने कहा कि यदि सरकार सिख धर्म से जुड़े किसी कानून में बदलाव करना चाहती है तो उसे पहले श्री अकाल तख्त साहिब और

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) सहित संबंधित धार्मिक संस्थाओं से सलाह-मशवरा करना चाहिए। सुनवाई के दौरान विधायक इंद्रबीर सिंह निज्जर ने कहा कि सुझावों के लिए एसजीपीसी को आमंत्रित किया गया था। वहीं कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया कि उन्होंने विधानसभा में इस विषय पर चर्चा की मांग उठाई थी, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया।

- धार्मिक शब्दावली में बदलाव पर आपत्ति

जत्थेदार ने कहा कि कानून में 'बीड़' की जगह 'स्वरूप' शब्द का प्रयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि सिख धार्मिक शब्दावली तय करने का अधिकार विधानसभा को नहीं है।

- 'कस्टोडियन' शब्द हटाने की मांग

कानून में 'कस्टोडियन' (संभालकर्ता) शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई। अकाल तख्त का कहना है कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की सेवा और जिम्मेदारी तय करने का अधिकार केवल पंथ का है।

- यूनिक नंबर और ऑनलाइन रिकॉर्ड पर सवाल

कानून में प्रत्येक स्वरूप को यूनिक नंबर देने तथा उसका रिकॉर्ड रखने के प्रावधान पर भी आपत्ति जताई गई। जत्थेदार ने कहा कि इस प्रकार के निर्णय गुरमत परंपरा के अनुसार पंथ के स्तर पर होने चाहिए।

- कस्टोडियन की जिम्मेदारियां तय करने का विरोध

अकाल तख्त ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की सेवा, संरक्षण और मर्यादा से जुड़े नियम धार्मिक विषय हैं, जिन्हें विधानसभा तय नहीं कर सकती।

- दंड संबंधी प्रावधान स्पष्ट करने की मांग

कानून में 'बेअदबी के अलावा' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही कस्टोडियन को दंडित करने वाले प्रावधान पर भी आपत्ति दर्ज कराई गई।जत्थेदार ने कहा कि कानून में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यदि किसी दुर्घटना के कारण घटना होती है तो श्री गुरु ग्रंथ साहिब को केस प्रॉपर्टी नहीं बनाया जाएगा।

बारिश की दस्तक, UP-बिहार में भारी बरसात और आंधी, बंगाल में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर के मौसम में अगले 12 घंटों के भीतर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। एक तरफ जहां असम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्य भारी बारिश के बाद बाढ़ का सामना कर रहे हैं, वहीं दिल्ली और राजस्थान में लोग भीषण गर्मी से बेहाल हैं। इस बीच, मौसम विभाग (IMD) ने राहत और चेतावनी दोनों जारी करते हुए 15 राज्यों के लिए नया अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने का अनुमान है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बदलाव की मुख्य वजह तेलंगाना और बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम हैं, जो अभी भी काफी सक्रिय हैं।जिन राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, उनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु और असम शामिल है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को भीषण गर्मी से बहुत जल्द राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने मंगलवार (30 जून) और बुधवार (1 जुलाई) के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की पूरी संभावना है। 1 जुलाई के बाद से बारिश की रफ्तार और तेज हो सकती है।

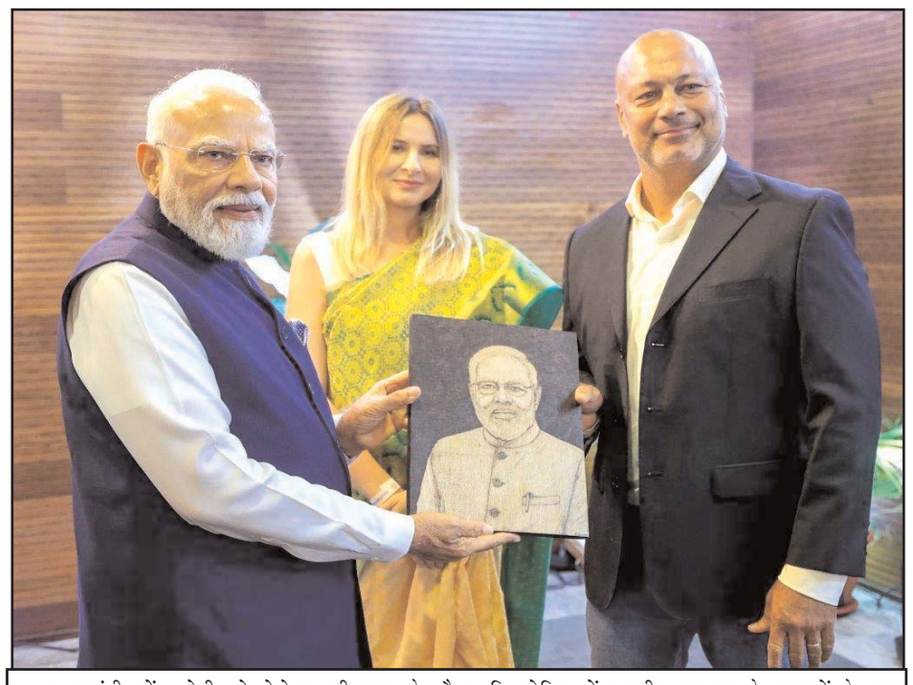

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान विक्टोरिया में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत के समय अपनी एक तस्वीर भेंट की गई।

भारत की जमीन पर चीन ने किया कब्जा, बॉर्डर पर रह रहे आदिवासियों का बड़ा दावा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत-चीन सीमा विवाद के बीच अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले से स्थानीय आदिवासी समुदाय की ओर से सीमा क्षेत्र में कथित चीनी अतिक्रमण का मामला सामने आया है। 'नाह वेलफेयर सोसाइटी' ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर दावा किया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के निकट चीनी सेना ने पिछले कुछ वर्षों में उनकी पारंपरिक जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, संगठन का आरोप है कि पिछले छह वर्षों के दौरान चीनी सेना ने उन क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित किया है, जहां स्थानीय लोग वर्षों से खेती और पशु चराने का कार्य करते रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि चीन पिछले 10 से 15 वर्षों से धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा था, लेकिन वर्ष 2020 के बाद इसकी रफ्तार काफी तेज हो गई।

ज्ञापन में संगठन ने ताक्सिंग क्षेत्र के अंतर्गत पांच स्थानों का उल्लेख किया है, जहां कथित तौर पर चीनी गतिविधियां बढ़ी हैं। इनमें ओयिंग, पोत्रंग झील, तिन्दिनतांग (टीजी), पनिआर (चुजार्टा क्षेत्र) और मरपन (मर्नाफे) शामिल हैं। संगठन का कहना है कि वर्ष 2020 तक इन इलाकों पर स्थानीय समुदाय की पहुंच थी, लेकिन अब इन क्षेत्रों पर चीन का नियंत्रण होने का दावा किया जा रहा है।

व्यूट्यूब पर वीडियो देखकर डॉक्टर बना पति, घर पर ही कराने लगा पत्नी की डिलीवरी; महिला की मौत

तिरुप्पुर (आरएनएस)। तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले से लापरवाही का एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां इंटरनेट पर वीडियो देखकर घर में प्रसव कराने की कोशिश एक महिला की जान पर भारी पड़ गई। बिना चिकित्सकीय निगरानी के कराई गई डिलीवरी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होने से महिला की मौत हो गई, जबकि नवजात बच्ची को डॉक्टरों ने सुरक्षित बचा लिया। जानकारी के अनुसार, उथुकुली क्षेत्र के थलावैपलयम गांव की रहने वाली शशिकला पहले बच्चे को सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए जन्म दे चुकी थीं। इस बार परिवार सामान्य प्रसव कराना चाहता था। आरोप है कि महिला के पति कार्तिक ने इंटरनेट पर प्रसव संबंधी वीडियो देखकर घर पर ही डिलीवरी कराने का फैसला किया। इस दौरान उसकी मां भी प्रसव प्रक्रिया में शामिल रही।बताया गया कि प्रसव के बाद नाल (प्लेसेंटा) सही तरीके से बाहर नहीं निकल सकी, जिससे शशिकला को तेज रक्तस्राव शुरू हो गया। हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें पहले पेरुनदुरई के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कोयंबटूर के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया। डॉक्टरों ने महिला को बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मौत हो गई। हालांकि नवजात बच्ची की जान बचा ली गई।घटना की सूचना मिलने के बाद उथुकुली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि बिना किसी प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी या डॉक्टर की निगरानी के घर पर प्रसव कराने का निर्णय किन परिस्थितियों में लिया गया। प्रारंभिक जांच में पति कार्तिक और उसकी मां की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जिन महिलाओं की पहले सिजेरियन डिलीवरी हो चुकी हो, उनके लिए अगला प्रसव चिकित्सकीय निगरानी में होना अत्यंत आवश्यक होता है। ऐसे मामलों में घर पर प्रसव कराने का प्रयास मां और शिशु, दोनों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

तमिलनाडु में 15 हजार सेक्स अपराधियों की हुई पहचान, कलर कोडेड स्पेक्ट्रम से किए जाएंगे ट्रैक

मदुरई (आरएनएस)। तमिलनाडु में अब गैंगरेप के आरोपी के साथ वैसा बर्ताव नहीं होगा जैसा नाबालिग के साथ भागने के मामले में आरोपी युवा के साथ होता है। बार-बार पीछा करने वाले (स्टॉकर) की निगरानी पहली बार आरोपी बने व्यक्ति की तरह नहीं की जाएगी।

तमिलनाडु पुलिस के 'स्पेक्ट्रम' प्रोजेक्ट का यही मकसद है। इसे साउथ जोन में शुरू किया गया है ताकि यौन अपराधियों को उनके जोखिम के आधार पर वर्गीकृत और ट्रैक किया जा सके। इस प्रोजेक्ट में मदुरै, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन और कन्याकुमारी समेत दक्षिण के 10 जिले शामिल हैं।

पेपर लीक का केंद्र बन गया है महाराष्ट्र : शिवसेना (यूबीटी)

मुंबई (आरएनएस)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सोमवार को भिवंडी में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह सड़ चुकी है और इतने जघन्य अपराधों के बावजूद किसी को भी कोई सजा नहीं मिलती। यही कारण है कि प्रश्नपत्र लीक का धंधा खुलेआम फल-फूल रहा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सोमवार को अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में महाराष्ट्र सरकार पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर तीखा हमला बोला। संपादकीय में कहा गया, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य कभी सामूहिक नकल और सरकार प्रायोजित नकल के लिए बदनाम थे। महाराष्ट्र उनसे भी एक कदम आगे निकल गया है। यहां अब सरकार प्रायोजित 'पेपर लीक' का नया कारोबार पूरे जोर-शोर से चल रहा है। जो लोग राम मंदिर के दानपात्र तक लूट सकते हैं, उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है?

पार्टी ने अपने मुखपत्र में प्रकाशित तीखे संपादकीय में दावा किया कि आज देश में शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ का सबसे बड़ा केंद्र महाराष्ट्र बन चुका है। संपादकीय में कहा गया कि गृह मंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस को इस विनाशकारी स्थिति की कोई चिंता नहीं दिखती। पिछले महीने हुए नीट पेपर लीक की जड़ें महाराष्ट्र तक पहुंची थीं और अब टीईटी का प्रश्नपत्र भी लीक हो गया है। यह महाराष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था का सार्वजनिक अपमान है।संपादकीय में कहा गया, यह कोई अकेली घटना नहीं बल्कि सत्तारूढ़ महायुति सरकार की विफलता और भ्रष्टाचार का काला इतिहास है। यह भ्रष्टाचार से पैदा हुई ऐसी भयावह व्यवस्था है, जिसने युवाओं के भविष्य के साथ खुला विश्वासघात किया है। महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाली ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। जिस राज्य ने भारत में शिक्षा और सामाजिक सुधार की नींव रखी थी, वही आज अपने निरंतर पतन का गवाह बनने को मजबूर है। ऐसा लगता है मानो प्रगतिशील महाराष्ट्र को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया जा रहा है।संपादकीय में आगे कहा गया कि आज की राजनीति में पेपर लीक उतना ही सामान्य हो गया है, जितना विधायक और सांसदों का दल-बदल। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा, दल बदलने वाले विधायकों को कथित तौर पर 50-50 करोड़ रुपये मिलते हैं, जबकि पेपर लीक लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर देता है। ऐसी गंभीर स्थिति में महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री को एक दिन भी अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

4 साल की बच्ची से पुणे में रेप-मर्डर केस में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाई सजा, 65 साल के भीमराव को मिली फांसी की सजा

पुणे (आरएनएस)। पुणे में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के मामले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 2 मई 2026 को 65 साल के बुजुर्ग आरोपी को फास्ट ट्रैक कोर्ट में

मुकदमा चलाकर मृत्युदंड की सजा की मांग करेंगें. पुणे के नसरापुर नाबालिग बच्ची से रेप और हत्या के मामले मैं आरोपी भीमराव कांबले को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस जघन्य और घिनौनी वारदात के लिए उम्रकैद की सजा काफी नहीं है.पुणे में 4 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की दास्तां दहलाने वाली थी. पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आरोपी ने बच्ची के मुंह में मोजा ठूंसा था.महाराष्ट्र के पुणे जिले के नसरपुर में चार साल की नन्ही सी बच्ची से दरिंगदी करने और उसकी बेरहमी से हत्या करने के दोषी भीमराव कांबले को कोर्ट ने सजा सुना दी है. इस केस के आरोपी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई गई है. रिकॉर्ड 59 दिनों में इस दिल दहला देने वाली घटना के दोषी को सजा सुनाई गई. बच्ची के रेप और मर्डर केस में सोमवार (29 जून) को स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज एसआर सालुंके ने यह सजा सुनाई है.

नोएडा में एसी विस्फोट के बाद आग का तांडव, हाईराइज सोसाइटी में हड़कंप

नोएडा ,(आरएनएस)। दिल्ली से सटे नोएडा के सेक्टर-119 स्थित अरण्य सोसाइटी में सोमवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक ऊंची इमारत के फ्लैट में भीषण आग लग गई। हादसे की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की 6 गाड़ियां तुरंत घटना स्थल पर रवाना हो गईं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की जान जाने की खबर नहीं है।

22वीं मंजिल पर भड़की आग, सोसाइटी में मची अफरा-तफरी

जानकारी के अनुसार, अरण्य सोसाइटी के एक टावर की 22वीं मंजिल से अचानक धुआं उठता देख लोगों में दहशत फैल गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ऊपर के कई अन्य फ्लैटों को भी अपनी चपेट में ले लिया। ऊंचाई अधिक होने के कारण फायर ब्रिगेड की टीम को लपटों पर काबू पाने के लिए काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अचानक हुए इस हादसे से पूरी सोसाइटी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए नीचे की तरफ भागने लगे।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा की इस अग्निकांड की घटना को गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री ने आला अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन को हर स्तर पर सतर्कता बरतने और घटना की लगातार निगरानी करने को कहा है। इसके साथ ही सीएम ने हादसे में प्रभावित और झुलसे लोगों को तत्काल उचित इलाज मुहैया कराने के सख्त आदेश जारी किए हैं।

अफगान सरकार का बड़ा आरोप, पाकिस्तानी हमलों में 163 लोग घायल

काबुल/इस्लामाबाद(ए.)। अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तानी वायुसेना द्वारा किए गए हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित 36 अफगान नागरिकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 163 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। तालिबान प्रशासन ने दावा किया है कि पाकिस्तान की इस सीमा-पार सैन्य कार्रवाई के कारण पक्तिया, पक्तिका और कुनर प्रांतों में भारी तबाही मची है। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलों में न केवल बड़े पैमाने पर लोग हताहत हुए हैं, बल्कि कई रिहायशी मकान भी पूरी तरह जमींदोज हो गए हैं।

बचाव कार्य के दौरान दोबारा बमबारी का आरोप

तालिबान प्रवक्ता के अनुसार सबसे भीषण हमला पक्तिया प्रांत के चमकनी जिले के अंतर्गत आने वाले मंडोखेल गांव में हुआ, जहां पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने एक नागरिक के घर को निशाना बनाया।

मौत की सजा, पार्टी पर रोक; शेख हसीना के लिए वतन लौटना नहीं है आसान, काटे भरे रास्ते कर रहे

ढाका (ए.)। मौत की सजा, आवामी लीग पर प्रतिबंध और लगातार कानूनी कार्रवाई के बावजूद शेख हसीना ने इसी साल बांग्लादेश लौटने का दावा किया है। हालांकि उनकी पार्टी पर रोक, चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध और समर्थकों पर कार्रवाई उनकी राह को बेहद मुश्किल बनाते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है क्या शेख हसीना इस बार भी तमाम बाधाओं को पार कर बांग्लादेश की राजनीति में वापसी कर पाएंगी?

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पहली बार साफ तौर पर कहा है कि वह इसी साल अपने देश लौटेंगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्हें 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामले में अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। भारत में रह रहीं हसीना ने एक मीडिया समूह को दिए साक्षात्कार में कहा कि वह हर बाधा और हर साजिश को पार करते हुए बांग्लादेश लौटेंगी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश में वापसी करना शेख हसीना के लिए आसान होगा? हसीना पर क्या-क्या आरोप लगाए गए हैं? अपनी वापसी को लेकर हसीना का क्या कहना है? वापसी की खबरों के बीच बांग्लादेश सरकार क्या कर रही है? शेख हसीना अपने पार्टी से कैसे संपर्क में हैं? बांग्लादेश में पार्टी की मौजूदा स्थिति क्या है? पहले कब-कब इसी तरह के संकट से जूझ चुकीं शेख

हसीना?

हसीना पर क्या-क्या आरोप लगाए गए हैं?

पिछले साल नवंबर में ढाका की एक अदालत ने शेख हसीना को 2024 के आंदोलन के दौरान लोगों की हत्या के लिए उकसाने, हत्याओं के आदेश देने और अत्याचार रोकने में विफल रहने का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की फरवरी में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना सरकार के खिलाफ चले तीन सप्ताह के विरोध प्रदर्शनों के दौरान 1,400 तक लोगों की मौत हुई। इसी घटनाक्रम के बाद शेख हसीना और उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं पर हत्या समेत कई गंभीर आरोप लगाए गए, जिनके आधार पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। हसीना ने इस फैसले को पूरी तरह खारिज कर दिया। उनका आरोप है कि बांग्लादेश की न्यायपालिका का इस्तेमाल उनकी पार्टी आवामी लीग के नेताओं को राजनीति से खत्म करने के लिए किया जा रहा है। उनका कहना है कि वह मौत से नहीं डरतीं और पहले भी उनकी पार्टी को खत्म करने की कोशिशें नाकाम रही हैं, इस बार भी होंगी।

अपनी वापसी को लेकर हसीना का क्या कहना है?

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, हसीना का कहना है कि उनकी वापसी सिर्फ सत्ता में लौटने के लिए नहीं है। उनके मुताबिक उनका उद्देश्य बांग्लादेश में लोकतंत्र, कानून का राज, लोगों के राजनीतिक अधिकार और 1971 के मुक्ति संग्राम की भावना को फिर से स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद पार्टी खत्म नहीं हुई है। उनके अनुसार आवामी लीग कोई कागजी संगठन नहीं, बल्कि बंगाल की मिट्टी, इतिहास, लोगों और राष्ट्रीय पहचान से जुड़ी राजनीतिक ताकत है।

उन्होंने प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार से मांग की कि पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए, नेताओं पर दर्ज कथित झूठे मुकदमे वापस लिए जाएं, राजनीतिक कैदियों को रिहा किया जाए और शांतिपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति दी जाए।

ट्रंप का दावा- ईरान ने बैठक का अनुरोध किया, आज दोहा में हो सकती है बातचीत

वाशिंगटन डीसी (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर दावा किया कि ईरान ने वाशिंगटन के साथ बैठक का अनुरोध किया है। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने कहा कि ऐसी कोई बैठक तय नहीं की गई है।

ट्रंप ने कहा कि यह बैठक मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में होगी। जबकि ईरान की ओर से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले अमेरिका के एक वरिष्ठ ने भी बताया था कि दोनों देश मंगलवार को कतर की राजधानी में बैठक करेंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रहे विवाद को सुलझाना है। अधिकारियों ने बताया था कि दोनों पक्षों ने सभी तरह की सैन्य गतिविधियों और हमलों को रोकने का फैसला किया है। फिलहाल दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में बिना किसी रुकावट के जहाजों की आवाजाही हो सके।

अमेरिका ईरान के साथ जारी अस्थायी समझौते को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ा है। इससे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिका में महंगाई बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

क्या फंसी हुई रकम पर भी चर्चा?

इससे पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा था कि कतर में जमा छह अरब डॉलर की राशि जारी की जाएगी। यह बयान ऐसे समय आया, जब फारस की खाड़ी क्षेत्र में हमलों के कारण अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत पर दबाव बढ़ा है।

क्या बातचीत फिर शुरू होगी?

पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। उसने कहा कि वार्ता मंगलवार को फिर शुरू हो सकती है। वहीं, अमेरिकी प्रशासन ने कहा है कि कोई बातचीत रद्द नहीं हुई है और तकनीकी स्तर की चर्चा तय समय पर होगी।

ईरान ने क्या कहा?

ईरान के वरिष्ठ वार्ताकार काजेम गरीबाबादी ने कहा कि किसी भी बैठक की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि कतर के साथ सामान्य परामर्श जारी है, लेकिन दोहा में तकनीकी वार्ता होने की खबरें सही नहीं हैं।

तकनीकी बातचीत क्या होती है?

तकनीकी वार्ता में दोनों देशों के निचले स्तर के अधिकारी समझौते की बारीकियों पर काम करते हैं, जिसके बाद ही शीर्ष नेतृत्व के बीच अंतिम समझौते की संभावना बनती है।

मंगल पर विशालकाय झील और सक्रिय नदियों का जाल मौजूद!

- मंगल पर जीवन संभव, रोवर ने खोजा ऑर्गेनिक कार्बन

वॉशिंगटन(ए.)। मंगल ग्रह पर कभी जीवन मौजूद था या नहीं, यह सवाल दशकों से वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष प्रेमियों को आकर्षित करता रहा है। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के परसिवरेंस रोवर ने एक ऐसी महत्वपूर्ण खोज की है, जिसने इस रहस्य को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम बढ़ाया है। रोवर को मंगल के जेजेरो क्रेटर स्थित ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन में मैक्रोमोलेक्यूलर कार्बन (एमएमसी) मिला है, जिसे जीवन के निर्माण के लिए आवश्यक प्रमुख तत्वों में से एक माना जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि यह कार्बन ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन की दो विशिष्ट चट्टानों में पाया गया, जिनमें से एक को 'चेयावा फॉल्स' नाम दिया गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अरबों वर्ष पहले जेजेरो क्रेटर में एक विशालकाय झील और एक सक्रिय नदी तंत्र मौजूद था। उस समय नदी के साथ बहकर आई मिट्टी और गाद जमा होकर बाद में मडस्टोन चट्टानों में बदल गई। इन्हीं प्राचीन चट्टानों के भीतर यह बहुमूल्य ऑर्गेनिक

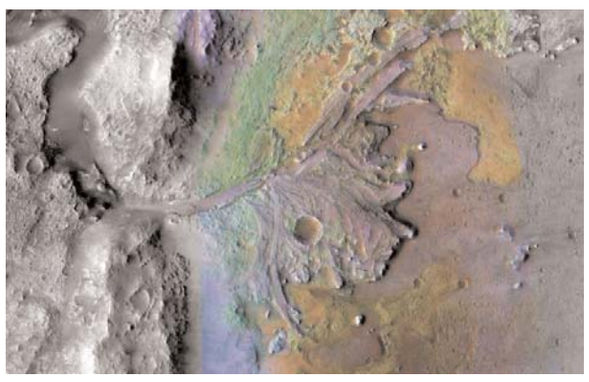

कार्बन समय के साथ संरक्षित मिला है।

इस खोज ने वैज्ञानिक जगत में एक नई उत्सुकता पैदा कर दी है, क्योंकि यह पहली बार है जब मंगल की सतह के इतने करीब ऑर्गेनिक कार्बन की मौजूदगी दर्ज की गई है। शोध पत्रिका साइंस एडवांसेज में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, मंगल का वातावरण अत्यंत कठोर माना जाता है, जहां तीव्र विकिरण और ऑक्सीडेंट रसायन जैसे कारक जैविक अणुओं को आसानी से नष्ट कर सकते हैं। इसके बावजूद अरबों वर्षों से इस कार्बन का सुरक्षित बने रहना वैज्ञानिकों के लिए बेहद रोचक और गहन शोध का विषय बन गया है। इस अभूतपूर्व खोज में परसिवरेंस रोवर पर लगे अत्याधुनिक उपकरण शेरलॉक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह उपकरण लेजर तकनीक की मदद से चट्टानों के भीतर मौजूद खनिजों और कार्बनिक यौगिकों की सूक्ष्मता से पहचान करता है। विश्लेषण के दौरान वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि इस कार्बन के साथ सल्फेट, कार्बोनेट, आयरन-फॉस्फेट और सल्फाइड जैसे खनिज भी मौजूद हैं। ये ऐसे खनिज हैं, जो आमतौर पर पानी की मौजूदगी वाले वातावरण में ही बनते हैं, जिससे मंगल पर पानी की उपस्थिति का एक और प्रमाण मिलता है।

हालांकि, वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि केवल ऑर्गेनिक कार्बन की मौजूदगी को सीधे तौर पर जीवन का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं माना जा सकता। ऐसे कार्बनिक यौगिक जैविक (बायोटिक) और अजैविक (एबायोटिक) दोनों प्रक्रियाओं से बन सकते हैं। फिर भी, इस विशिष्ट कार्बन और पानी से संबंधित खनिजों का संयोजन इस संभावना को मजबूती प्रदान करता है कि मंगल पर कभी ऐसा वातावरण मौजूद था, जो सूक्ष्म जीवों के पनपने और उनके विकास के लिए अत्यंत अनुकूल हो सकता था। इस खोज का अंतिम और निर्णायक उत्तर तभी मिलेगा, जब परसिवरेंस रोवर द्वारा एकत्र किए गए नमूनों को पृथ्वी पर लाकर अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में उनकी गहन जांच की जाएगी।

भाषा नहीं, दमदार कहानी तय करती है फिल्म की सफलता : दिव्या दत्ता

मुंबई (ए.)। अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री की तुलना केवल भाषा के आधार पर करना उचित नहीं है। उनके अनुसार किसी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी प्रभावशाली है और उसे दर्शकों के सामने किस अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि अच्छी फिल्में हर भाषा में बनती हैं और दर्शक अब केवल भाषा या फिल्म इंडस्ट्री नहीं, बल्कि मजबूत कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं। एक बातचीत के दौरान जब दिव्या दत्ता से पूछा गया कि क्या क्षेत्रीय सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड की तुलना में बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर रहा है, तो उन्होंने इस धारणा से सहमति नहीं जताई। उनका कहना था कि इस तरह की तुलना करना सही नहीं है, क्योंकि हर फिल्म उद्योग में अच्छी और कमजोर दोनों तरह की फिल्में बनती हैं। किसी कॉमेडी फिल्म की कामयाबी केवल इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी पटकथा कितनी मजबूत है और हास्य को कितनी प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा गया है।

दिव्या दत्ता ने कहा कि यदि किसी फिल्म का विषय रोचक है और उसका प्रस्तुतीकरण प्रभावशाली है, तो वह किसी भी भाषा में दर्शकों का दिल जीत सकती है। उनके अनुसार आज के दर्शक पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और समझदार हो चुके हैं। वे किसी फिल्म को केवल उसके बड़े सितारों, भाषा या फिल्म उद्योग के आधार पर नहीं आंकते, बल्कि कहानी, अभिनय और मनोरंजन के स्तर को महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, मलयालम या किसी भी अन्य भाषा की फिल्म हो, यदि उसमें दमदार कहानी और बेहतरीन प्रस्तुति है तो वह सीमाओं से परे जाकर लोगों तक पहुंचती है। यही वजह है कि आज क्षेत्रीय फिल्मों को भी देशभर में सराहना मिल रही है और हिंदी फिल्मों को भी अलग-अलग भाषाओं के दर्शक पसंद कर रहे हैं।

दिव्या दत्ता ने पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 का उदाहरण देते हुए कहा कि यह फिल्म साबित करती है कि अच्छी कॉमेडी की कोई भाषा नहीं होती। यदि हास्य स्वाभाविक हो और कहानी मनोरंजक हो तो दर्शक हर जगह उसे पसंद करते हैं और उससे जुड़ाव महसूस करते हैं। हाल ही में दिव्या दत्ता पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 के भव्य प्रीमियर में भी शामिल हुई थीं। वह अपने मित्रों और फिल्म की पूरी टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए वहां पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कलाकारों के अभिनय और फिल्म के मनोरंजक अंदाज की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्में दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ यह भी साबित करती हैं कि अच्छी कहानी और सशक्त प्रस्तुति ही किसी भी फिल्म की सबसे बड़ी पहचान होती है।

सिमरन खान का छलका दर्द

स्प्लिट्सविला 16 से अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री सिमरन खान ने हाल ही में मशहूर कोरियोग्राफर सचिन शर्मा पर दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगाकर पूरी इंडस्ट्री को झकझोर दिया है। सिमरन ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि एक कॉमन पार्टी में उनकी और सचिन की मुलाकात हुई थी, जिसके बाद उनकी बॉन्डिंग अच्छी हो गई और वे फोन पर बातें करने लगे। इसके बाद सचिन ने सिमरन को अपने घर बुलाया, लेकिन वह अपनी चार साल की छोटी बहन की देखभाल में व्यस्त होने के कारण आने से मना कर रही थीं। हालांकि, सचिन के बहुत जिद करने पर, सिमरन अपनी बहन को साथ लेकर उसके घर चली गईं। सिमरन ने भावुक होकर बताया कि जैसे ही वह घर पहुंचीं, वहां का माहौल कुछ सही नहीं लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी चार साल की बहन के सामने सचिन ने उनके साथ बहुत घटिया हरकत की। सिमरन के अनुसार, उसने मेरी जीन्स में हाथ डाला और इतना सब होने के बाद मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर भूचाल आ गया है।

दिव्या अग्रवाल ने खोले घर के बड़े राज

बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन की विनर दिव्या अग्रवाल ने हाल ही में बिग बॉस के घर के अंदरूनी राजों पर से पर्दा उठाया है, जिससे हर कोई हैरान रह गया है। हर

कोई यह जानने के लिए उत्सुक रहता है कि बिग बॉस के घर के अंदर क्या होता होगा और कैसे होता होगा, खासकर जब हर कोने में कैमरे लगे हों। दिव्या ने बताया कि बिग बॉस में कॉफी और टोमैटो केचअप जैसी सामान्य चीजें भी हमारे लिए बहुत लग्जरी होती थीं। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि केचअप न मिलने पर वह खुद ही जुगाड़ से इसे तैयार कर लेती थीं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि घर के अंदर खाने-पीने की चीजों को लेकर मेकर्स की तरफ से काफी सख्त नियम लागू रहते हैं। हालांकि, सिगरेट को लेकर मेकर्स काफी नरम थे, और जो जिस ब्रांड की सिगरेट पीता था, उसे उसी हिसाब की सिगरेट मिल जाती थी। दिव्या ने इस बात पर भी पर्दा उठाया कि घर के अंदर शराब मिलती है, यह बिल्कुल झूठ है, और यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल था। घर के अंदर की प्राइवेसी पर चर्चा करते हुए दिव्या ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया कि कैमरों के सामने भले ही सब कुछ साफ-साफ न दिखे, लेकिन अंदर काफी कुछ चलता रहता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि इंटिमेट होने के लिए कंटेस्टेंट्स को तरीके मिल ही जाते हैं।

राजकुमार हिरानी करेंगे ओटीटी पर डेब्यू

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। वह अपनी पहली वेब सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो के साथ ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। यह एक मिस्ट्री ड्रामा है, जिसमें उनके खास अंदाज का ह्यूमर, इमोशन और दिल को छू लेने वाली कहानी देखने को मिलेगी, जिसे उन्होंने अब तक अपनी फिल्मों में दिखाया है। राजकुमार हिरानी पहली बार लॉन्ग-फॉर्मेट स्टोरीटेलिंग यानी वेब सीरीज के जरिए दर्शकों से जुड़ने जा रहे हैं, जो उनके लिए एक नया प्रयोग है। इसमें उन्हें किरदारों की गहराई और कहानी को विस्तार से दिखाने का मौका मिलेगा। हाल ही में रिलीज हुए इस सीरीज के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। इसमें कॉमेडी, साइबर क्राइम ड्रामा और सस्पेंस का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है।

इंडियन हो या वेस्टर्न, हर लुक में बला की खूबसूरत लगती हैं कैरी ऑन जट्टा 4 एक्ट्रेस सरगुन मेहता

सरगुन मेहता इन दिनों फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. उनकी ये कॉमेडी फिल्म फाइनली 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. फिल्म को दर्शकों से बढ़िया रिस्पॉन्स मिल रहा है और उम्मीद है कि ये बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग करने वाली है. सरगुन मेहता फिल्मों के साथ-साथ अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश अंदाज को लेकर भी लगातार चर्चा में रहती हैं.

पॉपुलर कॉमेडी फ्रैंचाइजी कैरी ऑन जट्टा 4 में सरगुन मेहता लीड रोल में हैं. वो फिल्म में प्रीत नाम की लड़की का रोल निभा रही हैं. इसमें उनकी जोड़ी गिप्पी ग्रेवाल के साथ बनी है. दोनों की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है. सरगुन मेहता ने कैरी ऑन जट्टा फ्रैंचाइजी में पहली बार एंट्री की है. इससे पहले इस फ्रैंचाइजी की फिल्मों में सोनम बाजवा और माहिरा शर्मा जैसी हसीनाएं नजर आई थीं. फिल्म में सरगुन की एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आ रही है. फिल्मों में दमदार एक्टिंग के साथ-साथ सरगुन मेहता अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं. उनका हर लुक सोशल मीडिया पर छा जाता है. फैंस उनकी खूबसूरती पर दिल हार बैठते हैं.

उर्मिला मातोंडकर को नहीं करना था छम्मा छम्मा, बोलीं- आइटम नंबर के बिल्कुल खिलाफ थी मैं

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने फिल्म चाइना गेट के अपने ब्लॉकबस्टर गाने छम्मा छम्मा को लेकर सालों बाद एक खुलासा किया है। इस सुपरहिट गाने पर चुप्पी तोड़ते हुए उर्मिला ने बताया कि वो शुरुआत में इस गाने को करने के बिल्कुल खिलाफ थीं, क्योंकि वो करियर के उस दौर में कोई आइटम नंबर नहीं करना चाहती थीं। आइए जानते हैं कि आखिर फिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इस गाने के लिए हामी भर दी।

उर्मिला हाल ही में डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के एक एपिसोड में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल हुईं, उन्होंने फिल्म चाइना गेट के इस लोकप्रिय गाने पर बात की। उन्होंने कहा, मुझसे कहा गया कि फिल्म चाइना गेट के महान निर्देशक राजकुमार संतोषी जी चाहते हैं कि आप इस फिल्म में एक आइटम सॉन्ग करें तो मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं थी, क्योंकि उस दौर में आइटम गानों को बहुत गलत तरीके से देखा जाता था।

उर्मिला ने बताया, संतोषी ने मुझसे एक बात कही कि उर्मिला, बरसों पहले एक गाना आया था और आज भी जब लोग डांस या कोरियोग्राफी की बात करते हैं तो वही एक गाना इंसान की आंखों के सामने आता है। मुझे उस गाने से भी बेहतर गाना बनाना है। मैंने गणेश आचार्य से पूछा कि गाने की शूटिंग कितने दिन चलेगी? उन्होंने कहा कि प्लान 12 दिन का था, लेकिन हमने वो गाना सिर्फ 3 दिन में पूरा कर दिया।करिश्मा कपूर इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में बतौर जज नजर आ रही हैं। उन्होंने गाना रिलीज होने के समय के इसके प्रभाव को याद किया।

11 केवी बिजली लाइन की कथित लापरवाही से किसान गंभीर रूप से झुलसा

12 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं
ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से लगाई राहत की गुहार

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम बड़वेली में कृषि कार्य के दौरान एक किसान गंभीर रूप से करंट की चपेट में आ गया। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि खेत में लगी 11 केवी विद्युत लाइन के तार लंबे समय से जमीन से करीब 5 फीट की ऊंचाई पर झूल रहे थे। इसकी जानकारी देने के बावजूद विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समय रहते सुधार कार्य नहीं कराया, जिसके चलते यह गंभीर हादसा हुआ।घटना 18 जून 2026 की बताई जा रही है। घायल किसान सतीश मेवाड़ा (पिता प्रहलाद सिंह मेवाड़ा) खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान वे झूल रहे बिजली के तार की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें पहले जिला अस्पताल सीहोर में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर निजी अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर उपचार के लिए भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

परिजनों के अनुसार हादसे में किसान के एक हाथ की उंगलियां काटनी पड़ी हैं। इसके अलावा उनके कान सहित शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं। वर्तमान में उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और इलाज पर लाखों रुपये खर्च हो चुके हैं। आर्थिक रूप से कमजोर किसान का परिवार कर्ज लेकर उपचार कराने को मजबूरहै।

परिजनों का कहना है कि घटना की शिकायत तहसील कार्यालय और संबंधित थाना पुलिस को लिखित आवेदन देकर की जा चुकी है। इसके बावजूद 12 दिन बीत जाने के बाद भी न तो विभागीय जांच शुरू हुई है, न ही कथित रूप से जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है। साथ ही पीड़ित किसान को अब तक किसी प्रकार की राहत राशि या उपचार सहायता भी नहीं मिली है।घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों और किसानों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सीहोर जिले के प्रभारी मंत्री, ऊर्जा मंत्री तथा विद्युत मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित किसान को तत्काल आर्थिक सहायता, समुचित उपचार का पूरा खर्च और शासन की ओर से मिलने वाली राहत राशि उपलब्ध कराई जाए।ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते झूल रहे बिजली के तार और खंभों की मरम्मत कर दी जाती, तो यह गंभीर हादसा टाला जा सकता था।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी पूजन कर दिया जल संरक्षण का संदेश

सीहोर,(निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद द्वारा सीहोर के मनकामेश्वर मंदिर पर 'बावड़ी उत्सव' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बावड़ी का पूजन किया गया और सभी ने जल संरक्षण की शपथ ली तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर सीहोर ब्लॉक समन्वयक प्रदीप सेंगर,अनिल सक्सेना सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से हजारों परिवार हुए आत्मनिर्भर, सीहोर में मनाया गया स्वनिधि महोत्सव

25 हितग्राहियों का सम्मान, ओर कुछ लोगों को डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने बारकोड एवं स्पीकर वितरित

सीहोर (निप्र)। नगर पालिका परिषद सीहोर के सभागार में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योजना के उत्कृष्ट हितग्राहियों का सम्मान करते हुए उन्हें सम्मान पत्र एवं कुछ लोगों को डिजिटल भुगतान प्रणाली से जोड़ने के उद्देश्य से बारकोड एवं साउंड बॉक्स (स्पीकर) वितरित किए गए। इस दौरान 25 हितग्राहियों को सम्मानित कर उनके सफल व्यवसाय और समय पर ऋण चुकाने की उपलब्धि के लिए प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से अब तक नगर पालिका परिषद सीहोर क्षेत्र के 5 हजार से अधिक रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों एवं छोटे व्यापारियों को योजना का लाभ दिलाया जा चुका है। योजना के अंतर्गत पहले चरण में 10 हजार, दूसरे चरण में 20 हजार तथा समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राहियों को तीसरे चरण में 50 हजार तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

वर्षाकाल के दृष्टिगत जर्जर मकानों को ध्वस्त करें, प्राकृतिक आपदा के दौरान आर्थिक सहायता की कार्रवाई तत्परता से करें : कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय कर्मचारियों की सभी विभागीय सेवानिवृत्ति संबंधी कार्यवाही समय-सीमा में पूरी करते हुए उनके समस्त स्वत्वों एवं देयकों का भुगतान पूरी तत्परता से सुनिश्चित किया जाए। सेवानिवृत्ति से संबंधित किसी भी कार्रवाई में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण अपनाएं। ये कर्मचारी वर्षों तक शासन की सेवा करते हैं, इसलिए उनके सम्मान और अधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी स्मरण कराया कि प्रत्येक शासकीय सेवक को एक दिन सेवा से सेवानिवृत्त होना है, इसलिए इस कार्य को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ प्राथमिकता देते हुए समय पर पूरा करें। कलेक्टर बालागुरू के. ने टीएल बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों के बैंक खातों का सत्यापन बैंक पासबुक के आधार पर स्वयं करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के भुगतान अथवा राशि अंतरण से पहले बैंक खाते की जानकारी का भौतिक सत्यापन किया जाए। बैंक पासबुक से सत्यापन करने पर किसी भी प्रकार की त्रुटि या गड़बड़ी की संभावना नहीं रहेगी तथा संबंधित राशि सीधे वास्तविक हितग्राही के बैंक खाते में ही अंतरित होगी। बैठक मे जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, संयुक्त कलेक्टर रविंद्र परमार, एसडीएम तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने वर्षाकालीन आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए चिन्हित सभी जर्जर मकानों को तत्काल गिराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए जोखिम वाले भवनों के संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बाढ़, अतिवृष्टि, प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य दुर्घटनाओं से प्रभावित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की कार्रवाई भी पूरी तत्परता से की जाए। उन्होंने कहा कि राहत प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पीड़ित व्यक्ति या उनके परिजनों तक समय पर सहायता राशि पहुंचाई जाए, ताकि संकट की घड़ी में उन्हें तत्काल राहत मिल सके। इसके साथ ही किसी भी जर्जर भवन में स्कूल, आंगनबाड़ी न लगाये। यदि कोई भवन जर्जर हो तो उस स्कूल, आंगनबाड़ी को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाये। कलेक्टर बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन का सत्यापन समय-सीमा में पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ किया जाए। पात्र किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए सत्यापन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

सहकारिता जन-जागरण सहकारी सप्ताह का भव्य शुभारम्भ

सीहोर (निप्र)। जिला सहकारी संघ मर्यादित सीहोर कार्यालय में सुनील सक्सेना अंकेक्षण अधिकारी सहकारिता जिला सीहोर द्वारा वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक रमेशचन्द्र रैकवाल, रंजीत सिंह रैकवाल वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एवं प्रशासक जिला सहकारी संघ सीहोर, अनुरूप सिंह ठाकुर सहकारी निरीक्षक, तेजसिंह ठाकुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी संघ, विजय यादव, अर्जुन सिंह वर्मा की उपस्थिति में कार्यालय भवन पर सहकारी ध्वज फहराकर सहकारी गीत का वाचन कर सहकारिता के प्रति शपथ ली। तत्पश्चात् कार्यालय उपायुक्त सहकारिता जिला सीहोर में सहकारी ध्वज सुनील सक्सेना अंकेक्षण अधिकारी द्वारा फहराया गया तथा सहकारी गीत एवं सहकारिता के प्रति शपथ ली गई। इस अवसर पर जिला सहकारी संघ सीहोर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तेजसिंह ठाकुर, सहकारिता विभाग के रमेशचन्द्र रैकवाल वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, रंजीतसिंह रैकवाल वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, अनुरूप सिंह ठाकुर सहकारी निरीक्षक, रीतेश जैन सहकारी निरीक्षक, शिवानी दास सहकारी निरीक्षक, सलोनी जैन सहकारी निरीक्षक, विनोद कुमार जैन, विनय शर्मा, वैभव सक्सेना, श्रीमती अर्चना अग्रवाल, जतिन गाचले उप अंकेक्षक, मंयक भाबोर दीपांशु सिसोदिया सहायक ग्रेड—3, लखनलाल दोहरे, गोविन्द विश्वकर्मा, नन्नूलाल यादव, मनोहर नागर, मनोहर परते, विजय यादव, अर्जुन सिहं वर्मा आदि की उपस्थिति रहे ।

रक्तदान करने से शरीर को नहीं होता है कोई नुकसान : विधायक राय

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

सीहोर (निप्र)। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा नमक चौराहा स्थित माहेश्वरी धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विधायक सुदेश राय श्रीमती अरुणा राय के द्वारा रक्तदान महादान का संदेश देते हुए रक्तदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुदेश राय ने कहा कि देश में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है की जीवन की रक्षा रक्तदान से हो रही है। श्रीमती अरुणा राय ने कहा कि महिलाओं को भी जीवन की रक्षा के लिए अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से शरीर को कोई भी हानि नहीं होती है। रक्तदान शिविर में प्रमुख रूप से सुरेश साहु, योगेश राठी सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे हैं।

शादी की वर्षगांठ पर धाकड़ दंपति ने किया रक्तदान, दिया सेवा और मानवता का प्रेरक संदेश

सीहोर (निप्र)। आज के दौर में जहां अधिकांश लोग अपनी शादी की वर्षगांठ केक काटकर और भव्य आयोजनों के साथ मनाते हैं, वहीं सीहोर के पीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने निवासरत वासुदेव धाकड़ एवं उनकी धर्मपत्नी रीना धाकड़ ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ को समाज सेवा से जोड़ते हुए जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान किया।

रामलीला में ताड़का-सुबाहु वध और अहिल्या उद्धार का मंचन

विश्वामित्र के आग्रह पर राजा दशरथ ने राम-लक्ष्मण को भेजा

सीहोर(निप्र)। क्षेत्रवासियों के सहयोग से प्रयागराज से शहर के प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में श्री रामायण रामलीला मंडल के तत्वाधान में सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। आयोजित रामलीला में रात विशेष मंचन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान राम की आरती से किया गया। आरती के दौरान संत माधवदास महाराज, महंत बृजेश शर्मा, संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी, सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट आदि शामिल थे।

देर रात्रि को आयोजित रामलीला के दौरान यहां पर रामलीला मंडल के कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी। रामलीला में ताड़का-सुबाहु वध और अहिल्या उद्धार का मंचन के अलावा विश्वामित्र के आग्रह पर राजा दशरथ ने राम-लक्ष्मण को भेजा। मंचन में दिखाया गया कि लंकापति रावण के आदेश पर सुबाहु और मारीच ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ में बाधा डालते हैं। इससे परेशान होकर ऋषि विश्वामित्र राजा दशरथ से मिलने पहुंचते हैं। वे राम और लक्ष्मण को अपने साथ भेजने का आग्रह करते हैं। राजा दशरथ पहले हिचकिचाते हैं और खुद जाने की बात करते हैं। इस पर विश्वामित्र क्रोधित हो जाते हैं। तब गुरु वशिष्ठ ने बीच-बचाव किया। उन्होंने राजा को समझाया कि क्षत्रिय का धर्म है यज्ञ, ब्राह्मण, गाय और संतों की रक्षा करना। इसके बाद राजा दशरथ राम-लक्ष्मण को विश्वामित्र के साथ भेजने को तैयार हो गए।संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि भगवान राम ने बचपन की आयु में अनेक राक्षसों का वध किया था, विश्वामित्र के विश्वास पर अटल रहते हुए उनके आदेशों का पालन किया। जब राम और लक्ष्मण ने ताड़का और सुबाहु राक्षसों का वध किया, तब दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए।

बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक

सीहोर (निप्र)। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विभाग ने महाविद्यालयों से अधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को योजना से जोड़ने और उनके आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा है। योजना के अंतर्गत कक्षा एक से लेकर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 1,000 रुपये से 25,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। कक्षा एक से चौथी तक के विद्यार्थियों को 1,000 रुपये, कक्षा 5 से 8 तक 1,500 रुपये, कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों को 2,000 रुपये, कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को 3,000 रुपये तथा आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं डिग्री पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को 6,000 रुपये की सहायता दी जाती है। वहीं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को 25,000 रुपये प्रतिवर्ष तक की छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाती है। यह सहायता राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। योजना का लाभ बीड़ी श्रमिकों, लौह अयस्क, मैंगनीज एवं क्रोम अयस्क खदान श्रमिकों, चूना पत्थर एवं डोलोमाइट खदान श्रमिकों के पात्र बच्चों को दिया जाता है। यह योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा जारी रखने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव को ब्रांड एम्बेसेडर सारिका घारू ने सौंपी रिपोर्ट

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की ब्रांड एम्बेसेडर सारिका घारू ने मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण जागरूकता कार्यक्रम की रिपोर्ट आयोग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव को सौंपी और मतदाताओं में स्थानीय निकाय मतदाता सूची के प्रति रुझान एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए भविष्य में किए जाने वाले उपायों पर चर्चा की। सारिका घारू ने रिपोर्ट में बताया कि जागरूकता कार्यक्रम के दौरान सात जिलों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई और नागरिकों को नगरीय निकाय एवं त्रि स्तरीय पंचायत की मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं संशोधन कराने के प्रति जागरूक किया गया।

पीएम स्वनिधि योजना में अब तक जिले के 05 हजार से अधिक हितग्राहियों को मिला लोन, सीहोर में मनाया गया स्वनिधि महोत्सव

25 हितग्राहियों का सम्मान, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने बारकोड एवं स्पीकर किए वितरित

सीहोर (निप्र)। सीहोर नगर पालिका में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योजना के उत्कृष्ट हितग्राहियों का सम्मान करते हुए उन्हें सम्मान पत्र एवं कुछ को डिजिटल भुगतान प्रणाली से जोड़ने के उद्देश्य से बारकोड एवं साउंड बॉक्स (स्पीकर) वितरित किए गए। इस दौरान 25 हितग्राहियों को सम्मानित कर उनके सफल व्यवसाय और समय पर ऋण चुकाने की उपलब्धि के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत अब तक नगर पालिका परिषद सीहोर क्षेत्र के 5 हजार से अधिक रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों एवं छोटे व्यापारियों को योजना का लाभ दिलाया जा चुका है। योजना के अंतर्गत पहले चरण में 10 हजार, दूसरे चरण में 20 हजार तथा समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राहियों को तीसरे चरण में 50 हजार तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इससे हजारों छोटे व्यवसायियों का कारोबार बढ़ा है और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। महोत्सव में उन हितग्राहियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिन्होंने योजना के तीनों चरणों का सफलतापूर्वक लाभ प्राप्त किया। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीब, मध्यम वर्ग, रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों एवं महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल ऋण उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाना, उन्हें सम्मानपूर्वक रोजगार से जोड़ना और डिजिटल इंडिया अभियान के तहत डिजिटल लेन-देन के लिए भी प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में सीएमओ सुधीर सिंह, पीओ डूडा नितीन तिवारी, जागृति चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के हितग्राही, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

चर्च मैदान पर जारी जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता

युवराज के 4 गोल की बदौलत एक तरफा मुकाबले में डीएसवाईडब्ल्यू ने केबी टीम को 6-2 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर खिलाड़ियों को मंच देने के लिए हर साल की तरह इस साल भी स्व. कैलाश सारंग की स्मृति में जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। लगातार दूसरे वर्ष भी यहां पर 12 टीमों के मध्य मुकाबले खेले जा रहे है। वहीं सोमवार को खेले गए मुकाबले में डीएसवाईडब्ल्यू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केबी टीम को 6-2 के बड़े अंतर से पराजित किया। टीम की जीत के हीरो युवराज कन्नौजिया रहे, जिन्होंने शानदार 4 गोल दागे। वहीं अल्तमाश सिद्दीकी ने 2 गोल कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डीएसवाईडब्ल्यू ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और शानदार तालमेल के दम पर 6-2 की प्रभावशाली जीत दर्ज की। केबी टीम की ओर से शिवेंद्र का शानदार प्रदर्शन हालांकि केबी टीम को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन शिवेंद्र ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी शानदार स्किल्स के दम पर 2 गोल किए। उनके दोनों गोल दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे और उन्होंने पूरे मैच में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शहर के चर्च मैदान पर मंगलवार की शाम को आवासीय और सीहोर बाइज के बीच रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी और दर्शकों को एक शानदार मुकाबले की उम्मीद है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

जल संरक्षण के संस्कार को संजोता मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल गंगा संवर्धन अभियान

(19 मार्च से 30 जून 2026)

समापन समारोह

हर ग्राम पंचायत में विशेष ग्रामसभा
उत्कृष्ट योगदान देने वालों का सम्मान

मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन
नई जल संरचनाओं का लोकार्पण

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

30 जून, 2026
भैंसवामाता, विकासखण्ड सारंगपुर, जिला राजगढ़

सरकार और समाज के परस्पर सहयोग की मिसाल

₹10,514 करोड़ लागत के जल संरक्षण एवं संवर्धन के 3.62 लाख कार्य पूर्ण

ग्रामीण क्षेत्र

- ₹1500 करोड़ की लागत से 66,483 खेत -तालाब बनकर तैयार
- 96,992 कूप रीचार्ज संरचनाओं का निर्माण, भू-जल संवर्धन को गति
- 216 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य पूर्ण
- बूंद-बूंद का सुनिश्चित उपयोग, 14,882 सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्रों का विस्तार
- ₹2253 करोड़ के 44,854 अन्य जल संरक्षण कार्य पूर्ण
- 800 से अधिक तालाबों के पाल एवं पिचिंग आदि की मरम्मत, सिंचाई की निर्बाध पहुंच
- 3,832 कि.मी. नहर प्रणालियों की सफाई एवं सिंचाई तंत्र को मजबूती
- 10,000 से अधिक कुएं, नदी एवं बावड़ियों की जनभागीदारी से सफाई

शहरी क्षेत्र

- 3100 से अधिक जल संरचनाएं हुईं अतिक्रमण मुक्त
- 9,400 से अधिक नालों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण
- शासकीय एवं आवासीय भवनों में 35,500 से अधिक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणालियां स्थापित

अन्य क्षेत्र

- WOW Application के माध्यम से सभी स्कूलों के जल भंडारण टंकियों की सफाई
- स्कूल एवं आंगनवाड़ी में 1.60 लाख+ पेयजल स्रोतों का परीक्षण
- 6,000 से अधिक पाइप लाइनों में लीकेज सुधार कार्य पूर्ण
- 854 औद्योगिक इकाइयों में स्थापित हुई रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली
- बेतवा, शिप्रा, कान्ह एवं अन्य प्रमुख नदियों के जल का गुणवत्ता परीक्षण एवं नालों का चिह्नांकन

वन क्षेत्र

- 1.30 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य पूर्ण

D-11048/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी